संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -248 सोमवार ,10 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भ्रष्टाचार को रोकने के लिए केंद्र सरकार का ऐतिहासिक फैसला

जीएसटी से जुड़े मामलों की जांच कर सकेगी ईडी

मनी लॉन्ड्रिंग में दर्ज होगा केस

नई दिल्ली,09 जुलाई 2023 (ए)। केन्द्र सरकार ने जीएसटी के संबंध में एक बड़ा फैसला लिया है। इस नए फैसले के मुताबिक फर्जी जीएसटी इनवॉइस के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट करने संबंधित फर्जीवाड़े को अंजाम देने वालों के खिलाफ आने वाले वक्त में कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। केन्द्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए एक गैजेट नोटिफिकेशन यानी अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना के तहत अब केन्द्र सरकार मनी लॉन्ड्रिंग के कानून को और बल देते हुए गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क को पीएमएलए यानी मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत सीधा दखल देने वाली है। इसका मतलब अब साफ हो गया है की गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क से अब हर डाटा, डक्यूमेंट, सबूतों को केंद्रीय जांच एजेंसी के साथ साझा किया जाएगा। जीएसटीएन की अगर बात करें तो ये जीएसटी के लिए ही ये एक प्लेटफार्म है।

क्या होगा इसका असर

इस अधिसूचना का मतलब अब साफ हो गया है कि जीएसटी में फर्जीवाड़े को अंजाम देने वाले कारोबारी ,व्यापारी या कोई फर्म ,कंपनी के खिलाफ सीधे तौर पर ईडी की एंट्री अब आसान हो गई है। इस अधिसूचना का भविष्य में राज्यों के स्तर में इनपुट टैक्स क्रेडिट का फर्जी दावा करने वालों का दावा काफी बड़ा हो सकता है। क्योंकी कई राज्यों में देखने को मिला था की माल की झुलाई के लिए बिना इनवॉइस जनरेट किए ही आपूर्तिकर्ता उनही फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा करते हैं। इस नए कानून के तहत उन लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया जा सकता है जो फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट लेते हैं, इसके साथ ही जो फर्जी चालान जेनरेट करके सरकार को चूना लगाने का काम करते हैं।

सरकार को चूना लगाने की अगर बात करें तो साल 2019 -20 के दौरान ही फर्जी जीएसटी इनवॉइस के तहत करीब चार हजार करोड़ रूपये का चना लगाया गया था . हालांकि उसके बाद जीएसटी खुफिया महानिदेशालय ने उसी दौरान करीब 24,000 करोड़ रुपये के फर्जी इनवॉइस को पकड़ा था ,उन तमाम मामलों पर जीएसटी विभाग में तफ्तीश चल रही है। इस नए पहल के मुताबिक कई मुखौटा कंपनियों के मार्फत टैक्स चोरी और जीएसटी चोरी करने वालें की अब खैर नहीं , क्योंकि अब साधारण से कारोबारी और सरकारी अधिकारी को भी इस मामले की जानकारी हो चुकी है की आज की तारीख में जांच एजेंसी ईडी कितनी मजबूत हो चुकी है और इसके मनी लॉन्ड्रिंग कानून से बचना बहुत मुश्किल होता है।

फर्जी जीएसटी इनवॉइस के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट करने संबंधित फर्जीवाड़े को अंजाम देने वालों के खिलाफ केन्द्र सरकार ने जो गैजेट नोटिफिकेशन यानी अधिसूचना जारी करके कानून बनाया है दरअसल इसकी नींव साल 2019 में ही रखी गई थी , जब केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो ने इस मामले में एक सुझाव विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया गया था। उसके बाद उसी मामले पर गंभीरता से अध्ययन करने के बाद इसे लागू करने का फैसला सरकार ने लिया है। अब मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट यानी पीएमएलए एक्ट के तहत जब कार्रवाई होगी तो लोग भी अब जीएसटी चोरी या फर्जी जीएसटी इनवॉइस के मार्फत इनपुट टैक्स क्रेडिट करने से लोग डरेंगे। केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो की अगर बात करें तो ये खुफिया एजेंसी मुख्य तौर पर आईबी का ही एक रूप है जो मुख्य तौर पर आर्थिक और वित्तीय सेक्टर से जुड़े और वित्तीय मामलों के फर्जीवाड़े पर बेहद गंभीरता और सटीक नजर रखती है , उसके बाद उन तमाम मामलों पर एक विस्तार से रिपोर्ट बनाने के बाद वित्त मंत्रालय सहित अन्य जांच एजेंसियों से भी शेयर करती है।

ऐसे फर्जीवाड़ा करने वालों पर होगा प्रभावी असर

जीएसटी में फर्जीवाड़े को अंजाम देने वाले कारोबारी ,व्यापारी या कोई फर्म ,कंपनी के खिलाफ सीधे तौर पर ईडी की एंट्री अब आसान हो गई है। इस अधिसूचना का भविष्य में राज्यों के स्तर में इनपुट टैक्स क्रेडिट का फर्जी दावा करने वालों का दावा काफी बड़ा हो सकता है। कई राज्यों में देखने को मिला था की माल की झुलाई के लिए बिना इनवॉइस जनरेट किए ही आपूर्तिकर्ता उनही फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा करते हैंइस नए कानून के तहत उन लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया जा सकता है जो फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट लेते हैं। फर्जी चालान जेनरेट करके सरकार को चूना लगाने का काम करते हैं। सरकार को चूना लगाने की अगर बात करें तो साल 2019 -20 के दौरान ही फर्जी जीएसटी इनवॉइस के तहत करीब चार हजार करोड़ रूपये का चूना लगाया गया था , हालांकि उसके बाद जीएसटी खुफिया महानिदेशालय ने उसी दौरान करीब 24,000 करोड़ रुपये के फर्जी इनवॉइस को पकड़ा था।

नेपाल भारत के लिए बन रहा है खतरे की घंटी!

चीन-पाक के जासूस भारत में आसानी से कर रहे प्रवेश

नोएडा,09 जुलाई 2023 (ए)। नेपाल के भारत का मित्र देश होने और बिना फेंसिंग के बॉर्डर होने का पूरा फायदा भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन उठाते हैं। भारत में घुसपैठ करने के लिए नेपाल को अपना जरिया बनाकर यह पड़ोसी मुल्क यहां अपने लोगों को भेजते हैं और गैर कानूनी काम में शामिल कर देते हैं। हाल ही में सामने आए मामले में पब्जी गेम से मोहब्बत और उसके बाद पाकिस्तानी महिला नेपाल के जरिए भारत पहुंच गई। यहां पर उसने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में रहने वाले सचिन के साथ घर बसाने का सपना देख लिया और अपने साथ अपने बच्चों को भी लेकर आ गई। न कोई वैलिड डॉक्यूमेंट न ही वीजा और महिला आराम से बीते 50 दिनों से अपने भारतीय प्रेमी के साथ किराए पर कमरा लेकर रह रही थी।

उसके पकड़े जाने के बाद जब पुलिस को उसके आने का रूट पता चला तो नोएडा पुलिस ने केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को पत्र लिखकर मामले की जांच करने को कहा और मंत्रालय को भी पत्र लिखकर नेपाल के रास्ते से आने वाले एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा कड़ी करने की गुहार लगाई। यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी पुलिस ने कई चाइनीस विदेशी नागरिकों को नेपाल के जरिए भारत में एंट्री कर यहां अवैध तरीके से रहने के बाद मामले में पकड़ा है।

बीते 6 जुलाई को नेपाल के रास्ते भारत आकर ग्रेटर नोएडा में रह रहे चीन के दो नागरिकों – डेंग चोंकों और मैग हाउजे को स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बृहस्पतिवार देर शाम गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से फर्जी आधार और पेन कार्ड बरामद किया गया है। दस दिन पहले एसटीएफ ने दो ऐसे आरोपितों को गिरफ्तार किया था, जो चीन के नागरिकों का भारतीय पासपोर्ट बनवाते थे।

मैग हाउजे उन्हीं आरोपिओ का साथी है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बैग हाउजे ओप्पो फैक्ट्री में नौकरी करता था। वर्ष 2022 में अक्टूबर माह में पुलिस ने उसको बिना वीजा के पकड़ा था। उसको उसके देश चीन वापस डिपोर्ट कर दिया गया था।

चीन पहुंचने के बाद वह टूरिस्ट वीजा पर नेपाल आया। वहां से बस में सवार होकर महाराजगंज बार्डर के रास्ते वह फिर से ग्रेटर नोएडा आ गया और यहां अवैध रूप से रहने लगा। जांच में पता चला है कि आरोपी ने खुद के आदि शर्मा नाम का फर्जी आधार कार्ड बना लिया था। ग्रेटर नोएडा के ओमेगा 2 थाना बीटा-2 विला नं.0-23 ग्रीन बुड फेस में रह रहा था।

आशंका है कि उसने चीन के कई अन्य लोगों का भी फर्जी दस्तावेज तैयार किया है। दोनो की वीजा अवधि समाप्त हो चुकी है, जिनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए डिटेन्शन सैन्टर आर.के. पुरम नई दिल्ली भेजा गया। पाकिस्तान और चीन से अवैध रूप से भारत आने वाले लोगों के लिए नेपाल सेफ पैसेज बनता जा रहा है।

चाइनीज नागरिक नेपाल के जरिए भारत आने को सबसे आसान और सेफ पैसेज मानते हैं। कुछ दिनों पहले ही बॉर्डर पर चीनी नागरिकों को वापस जाते समय एसएसबी के जवानों ने गिरफ्तार कर लिया था। वे बिना वीजा के 18 दिनों तक दिल्ली-एनसीआर में घूमते रहे।

बंगाल चुनावी हिंसा पर बीएसएफ का बड़ा आरोप

» चुनाव आयोग ने नहीं दी संवेदनशील बूथों की जानकारी

कोलकाता,09 जुलाई 2023 (ए)। बंगाल ने शनिवार को देश के सबसे राजनीतिक रूप से हिंसक राज्य के रूप में अपनी स्थिति दर्ज की। पंचायत चुनाव के दिन मतदान से पहले हुई हिंसा में 22 लोगों में 18 मौतें हुई। हिंसा को लेकर सीमा सुरक्षा बल ने राज्य चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया है। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बार-बार अनुरोध के बावजूद, पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग ने कोई जानकारी नहीं दी। राज्य में चुनावी हिंसा में अभी तक 20 से ज्यादा की मौत हो चुकी हैं, जबकि सरकारी अस्पतलों में पांच गंभीर रूप से घायल होकर भर्ती हैं।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने केवल संवेदनशील मतदान केंद्रों की संख्या के साथ जवाब दिया और स्थान या अन्य विवरण प्रदान नहीं किया।

भारी बारिश के चलते अफसरों की रविवार की छुट्टी रद्द की गयी

ग्राउंड पर उतरने के निर्देश

नई दिल्ली,09 जुलाई 2023 (ए)। दिल्ली के कुछ हिस्सों में हुई रिकॉर्ड बारिश को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी सरकारी अधिकारियों की रविवार की छुट्टी रद्द कर दी है। इसी के साथ ही सभी अफसरों को शहर भर में गंभीर जलजमाव की समस्या का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। सीएम केजरीवाल ने मूसलाधार बारिश के बाद ट्वीट कर यह घोषणा की है।

क्या है निर्देश में

दिल्ली में कल से 126 एमएम बारिश हुई। मानसून सीजन की टोटल बारिश का 15 प्रतिशत मात्र 12 घंटे में पानी बरसा है।लोग जल भराव से परेशान हुए। आज सभी मंत्री और मेयर समस्या वाले एरिया का इंस्पेक्शन करेंगे। सभी विभागों के अधिकारियों को संडे की छुट्टी कैंसिल कर के ग्राउंड पर उतरने के निर्देश दिए हैं।

1982 के बाद जुलाई में एक दिन में हुई सबसे अधिक बारिश

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में रविवार सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटे की अवधि में अभूतपूर्व 153 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि मानसूनी हवा व पश्चिमी विक्षोभ के संयुक्त प्रभाव के कारण दिल्ली में मूसलधार वर्षा हुई है, जिससे निवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

खतरे के निशान के ऊपर आ जाएगी यमुना- आतिशी

दिल्ली की लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी के अनुसार कल दिल्ली में 12 घंटे में 126 मिलीमीटर और 24 घंटे में 150 मिलीमीटर बारिश हुई। इस पूरे मौसम में जितनी बारिश होती है उसका 20त पिछले 24 घंटे में हुई है। बारिश रुकने के बाद ही हमारे पपिंग स्टेशन शुरू हो चुके थेज आज हथिनी कुंड बैराज से 45,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसकी वजह से 11 जुलाई को यमुना का स्तर खतरे के निशान के ऊपर आ जाएगी। हमारे अधिकारी इस पर नजर रखे हुए हैं। मैं कल सोमवार सुबह वहां का दौरा करुंगी। शहर में बरसात के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। कई इलाकों में पार्क, अंडरपास, बाजार और यहां तक कि अस्पताल परिसर भी जलमग्न हो गए।

चिराग पासवान बनेंगे राज्यमंत्री !

» मीटिंग से पहले नित्यानंद ने की मुलाकात

नई दिल्ली,09 जुलाई 2023 (ए)। लोगसभा चुनाव 2024 को लेकर अभी से बिहार की राजनीती में सरगर्मी तेज हो गई है। लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक दिवंगत रामविलास पासवान के बेटे और जमुई के सांसद चिराग पासवान ने एनडीए में शामिल होने की डील फाइनल कर ली है। हालांकि की इसकी अभी औपचारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से पटना में मुलाकात के बाद यह बात सामने आ रही है कि वह केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) शामिल हो रहे हैं। उनके लिए कौन-सा विभाग तय होगा, अब सिर्फ इसकी डील बाकी है।

लोपजा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपने आवास पर आज (9 जुलाई) को पार्टी के पदाधिकारी के साथ बैठक की। बैठक में गठबंधन को लेकर चर्चा हुई. वहीं, बैठक से पहले चिराग से उनके आवास पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मुलकात की। इस मुलाकात को लेकर नित्यानंद से पूछा गया कि क्या चिराग एनडीए में आ रहे हैं? और क्या केंद्र सरकार में मंत्री बनेंगे? इस पर नित्यानंद राय ने कहा कि कई बातें हुई हैं। बहुत अच्छे माहौल में बातें हुई हैं।

बैठक के बाद चिराग पासवान ने कहा कि पार्टी पदाधिकारियों की आज बैठक हुई। गठबंधन पर फैसले के लिए मुझे अधिकृत किया गया है। 2-3 बैठकें और होंगी। उसके बाद गठबंधन को लेकर फैसला हो जाएगा। समय समय पर कई मुद्दों पर मैंने बीजेपी का समर्थन किया। बिहार में विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी के लिए मैंने प्रचार भी किया था। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय आज मुझसे मिले। कई मुद्दे पर बातचीत हुई। 2024 में हम किससे गठबंधन करेंगे, यह जल्द तय कर लेंगे। वहीं, केंद्र में मंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कुछ नहीं बोला। चिराग दिल्ली के लिए रवाना हो गए. दिल्ली में बीजेपी के आलाकमान से मुलाकात करेंगे।

भूस्खलन की चपेट में आई बस

जम्मू ,09 जुलाई 2023 (ए)। जम्मू-कश्मीर में आफत की बारिश हो रही है। इसके चलते डोडा जिले में रविवार को भूस्खलन हो गई, जिसके चपेट में एक यात्री बस आ गई। इससे बस में सवार दो यात्रियों की मौत हो गई। भद्रवाह के पुलिस अधीक्षक विनोद शर्मा ने बताया कि बस ठठरी-गंदोह रोड पर भांगरू गांव में बारिश के कारण हुए भूस्खलन की चपेट में आ गई।उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के दौरान तीन यात्रियों को बस से निकालकर गंदोह के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने कहारा के आमिर सुहैल और चंगा-भालेस्सा के मुदस्सर अली को मृत घोषित कर दिया। शर्मा ने बताया कि, कुंतवाड़ा गांव के शाहिद हुसैन का इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई। रविवार को गश्त पर निकले सेना के 2 जवान अचानक नदी में आई बाढ़ में बह गए। इसके बाद सेना ने उन्हें ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। अब दोनों जवानों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

मंत्री चंद्रिमा ने हिंसा के लिए राज्यपाल व विपक्ष के सिर ठीकरा फोड़ा

कोलकाता ,09 जुलाई 2023 (ए)। मतदान के बाद आज भी राज्य भर में हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में बंगाल की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बातचीत में हिंसा के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। इतना ही नहीं चंद्रिमा भट्टाचार्य के निशाने पर राज्यपाल सीवी आनंद बोस भी रहें और मंत्री ने उन पर भा सवाल उठाया। यही नहीं हिंसा के लिए चंद्रिमा भट्टाचार्य ने विपक्ष और राज्यपाल को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, कई घटनाएं हुई हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि विपक्ष और माननीय राज्यपाल ने इतना प्रोत्साहन दिया। मतदान के दिन ही 17 लोगों की मौत हो गयी। बसंती के एक आज फिर एक तृणमूल कर्मी की मौत हो गई जो मतदान के दिन हुई हिंसा में वह घायल हो गये थे। उस संदर्भ में चंद्रिमा ने कहा, %सभी मौतें दुखद हैं। लेकिन मरने वालों में तृणमूल कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों की संख्या अधिक है।

हिंसा का खेल खेलने वालों से कांग्रेस मिला रही है हाथ

कोलकाता ,09 जुलाई 2023 (ए)। बंगाल में पंचायत चुनाव दौरान 18 लोगों की बलि चढ़ गई है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को हुए पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा को लेकर आज बंगाल की सत्तरुढ़ पार्टी तृणमूल सहित कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और उनसे पूछा कि क्या उन्हें ऐसी घटनाएं स्वीकार्य है?। स्मृति ईरानी ने कहा, पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव में जिस प्रकार से लोकतंत्र की हत्या होते हुए लोग देख रहे हैं, जहां लोकतांत्रिक अधिकारों को जताने के लिए लोगों को मौत के घाट उतारा जा रहा है। स्मृति ईरानी ने कहा, लोकतांत्रिक अधिकारियों के प्रयोग पर लोग मौत के घाट वहां उतारे जा रहे हैं। उसी टीएमसी के साथ गांधी परिवार गठबंधन कर रहा है। मेरा गांधी परिवार से यह विशेष प्रश्न है कि उनसे हाथ मिलना उन्हें मंजूर है जो पश्चिम बंगाल में कहर मचा रहे हैं। वहां मौत के घाट इसलिए लोगों को उतार रहे हैं कि वोट करना चाहते हैं।

संपादकीय

मानवीय भूल का कारण ?

क्या सिग्नल सिस्टम और दूरसंचार की व्यवस्था आधुनिक मानदंडों पर खरी थी और इससे बावजूद मानवीय भूल हुई? और क्या ऐसी संवेदनशील ड्यूटी निभाने के लिए मानव को जो उचित परिस्थितियां मिलनी चाहिए, वह वहां मौजूद होने के बावजूद ये हादसा हुआ?

ओडिशा के बालासोर में पिछले दो जून को हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना के बारे रेल सुरक्षा आयुक्त की जांच इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि यह हादसा मानवीय भूल के कारण हुई। इस भूल के लिए सिग्नल और दूरसंचार विभाग दोषी था। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच रिपोर्ट रेल मंत्री को सौंप दी गई है, लेकिन सरकार ने अभी इसे स्वीकार नहीं किया है। इस जांच का एक मतलब यह है कि हादसे के पीछे तोड़फोड़ का अंदेशा खारिज हो जाता है। इसी अंदेशे के कारण यह जांच सीबीआई को भी सौंपी गई थी। बहरहाल, जितनी सूचनाएं सामने आई हैं, उनसे इस पर रोशनी नहीं पड़ती कि मानवीय भूल का कारण क्या था? क्या सिग्नल सिस्टम और दूरसंचार की व्यवस्था आधुनिक मानदंडों पर खरी थी और इससे बावजूद यह भूल हुई? और क्या ऐसी संवेदनशील ड्यूटी निभाने के लिए मानव को जो उचित परिस्थितियां मिलनी चाहिए, वह वहां मौजूद होने के बावजूद यह हादसा हुआ? ये सवाल इसलिए अहम हैं, क्योंकि रेलवे में सुरक्षा संबंधी स्टाफ में भारी कमी और तकनीकी व्यवस्थाओं के कमजोर पड़ने की खबरें अक्सर आती रहती हैं।

अक्सर ऐसी बुनियादी और ढांचागत समस्याएं मानवीय भूल की वजह बन जाती हैं। बालासोर में ऐसा हुआ या नहीं, यह कहने की स्थिति में हम नहीं हैं। बल्कि लोगों को अपेक्षा इस बात की है कि इस हादसे की होने वाली जांच में इस पूरी पृष्ठभूमि को खंगाला जाए। जिस हादसे में 291 जानें गईं और लगभग 900 लोग जख्मी हुए, उसे सिर्फ यह सोच कर नहीं भुलाया जा सकता कि किसी कर्मचारी की भूल से यह सब हो गया। या किसी एक कर्मचारी या एक विभाग के कर्मचारियों को दंडित करना भी पर्याप्त नहीं होगा। मुद्दा यह है कि भारतीय रेल की बुनियाद कमजोर पड़ती चली गई है। अगर उसे दुरुस्त नहीं किया गया, तो हादसों से बचना मुश्किल होगा। हकीकत यह है कि छोटे-मोटे हादसे आम तौर पर होते रहते हैं, जिन पर उनसे संबंधित लोगों के अलावा किसी और का ध्यान तक नहीं जाता। बालासोर दुर्घटना अपने भीषण रूप के कारण चर्चित हुई। तो यह मौका पूरे संदर्भ पर स्पॉटलाइट डालने का है।

विश्व जनसंख्या दिवस में चेतना जागृत करें

प्रति वर्ष पूरे विश्व में हम जनसंख्या दिवस मनाते हैं।वास्तव में इसका उद्देश्य क्या होता है हमने गंभीरता से नही लिया।जितनी गंभीरता की आवश्यकता है शायद हमने उतनी गंभीरता नहीं दिखाई।आज पूरे विश्व की जनसंख्या पर नजर डालते हैं तो हमें पता चलता है की पूरे विश्व की जनसंख्या लगभग यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड यूएनएफ पीए के आँकड़ों के मुताबिक़, दुनिया की कुल आबादी फिलहाल 7 अरब 95 करोड़ 40 लाख है. इसमें 65त्न आबादी 15 से 64 साल की उम्र के लोगों की है 65 साल से ऊपर के लोगों की कुल 10त्न और 14 साल से कम उम्र के लोगों की 25त्न हिस्सेदारी है।

और यूएनएफपीए इन आंकड़ों के आधार पर यह भी माना जा रहा है की अगले कुछ महीनों में पुरी दुनिया की आबादी 8 अरब पहुँच सकती है।

पूरे विश्व के बढ़ते हुए इस आबादी को देखकर हमें आज और अभी गंभीर हो जाने की आवश्यकता है।वर्तमान परिदृश्य और भविष्य को देखा जाय तो बहुत ही भयावाह है।इस नाते हमें सम्हलने की आवश्यकता है। इस भयावहता को समझते हुए हमें स्वयं और पूरे विश्व को जागृत होने की आवश्यकता है।

विश्व जनसंख्या दिवस प्रतिवर्ष 11 जुलाई को मनाया जाता है।इस दिवस को मनाने का उद्देश्य जनसंख्या की बेतहाशा वृद्धि और इस पर उपज रही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए वैश्विक चेतना जागृत करना है।यह आयोजन 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास गवर्निंग काउंसिल द्वारा स्थापित किया गया था।

विश्व जनसंख्या दिवस मनाये जाने के पीछे कुछ ऐसे उद्देश्य और ज्वलंत मुद्दे हैं जिन पर गौर करना अति आवश्यक है जैसे कि परिवार नियोजन,लिंग समानता,गरीबी,मातृ स्वास्थ्य और मानव अधिकारों का महत्व।

उपरोक्त उद्देश्य और मुद्दों को ध्यान में रखते हुए हमें विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाना चाहिए।

यदि इन मुद्दों को ध्यान में नही रखा गया तो स्थिति-परस्थिति की भयवाहता से निपट पाना संभव ही नही असम्भव होगा।हमें यह समझना होगा की इस भयावाहता स गरीबी,भुखमरी,अशिक्षा,संसाधन की कमी अर्थात मुलभुत आवश्यकताओं की क मी , स ा म ा ि ज क असंतुलन,पर्यावरणीय दुष्प्रभाव आदि हो सकते हैं।इन सब मुद्दों,आदि को ध्यान में रखते हुए प्रति वर्ष कुछ न कुछ थीम को लेकर जनसंख्या दिवस मनाया जाता है।

इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस का थीम

हस्तक्षेप की ओर से महिलाओं और बालिकाओं की सेहत की सुरक्षा तय किए जाने और कोविड 19 पर रोक लगाने पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही गई है।आइये हम सब मिलकर उपरोक्त थीम और ज्वलंत मुद्दों को ध्यान में रखकर डंट कर मुकाबला करें।पूरे विश्व में इनसे उपज रही समस्याओं से अवगत कराएं और इन समस्याओं से निपटने हेतु जन- जागरुकता फैलाएँ।ताकि इससे होने वाली नकारात्मक प्रभाव से निपटा जा सके।

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,शिवरीनारायण छत्तीसगढ़

किताबी शिक्षा बनाम व्यवहारिक शिक्षा

» डिग्रियां तो पढ़ाई के खर्चे की रसीदें है ज्ञान तो वही है जो किरदार में झलके

» व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान में परिपक्व व्यक्तित्व का किरदार किताबी ज्ञान की डिग्री लेने पर सोने पर सुहागा होगा

सृष्टि में अनमोल बौद्धिक ज्ञान का धनी मानवीय प्राणी को जन्म से ही परिवार, समाज, मानवीय संपर्कों से व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान मिलना शुरू हो जाता है। याने जैसे जैसे मानुष बाल्य काल से बचपन और फिर युवा होता है, वैसे-वैसे व्यवहारिक ज्ञान शिक्षा के माध्यम से ऑटोमेटिक अली स्वत संज्ञान से उसकी बौद्धिक क्षमता परिपक्व होती जाती है और फिर स्कूल कॉलेज से लेकर अनेक डिग्रियों यानें किताबी ज्ञान पाकर सोने पर सुहागा की कहावत हम पूरी करते हैं। इस तरह हम देखते हैं कि, शिक्षा दो तरह की होती है। एक किताबी शिक्षा और दूसरी व्यवहारिक शिक्षा। अगर किताबी शिक्षा के साथ साथ हमको व्याहारिक शिक्षा का ज्ञान नहीं है तो हम शिक्षित होते हुए भी अशिक्षित की श्रेणी में आयेंगे। और अगर हमको शिक्षा के साथ साथ व्योहारिक ज्ञान भी है तो हम शिक्षित लोगो की श्रेणी में आयेंगे।

साथियों भारत में कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि कौशलता विकास पर जोरदार तरीके से फोकस किया जा रहा है जिसके लिए केंद्र सरकार द्वारा एक अलग से कौशलता विकास मंत्रालय का भी गठन किया गया है जो अनेक राज्यों में विभिन्न स्तरों पर कौशलता विकास का जन जागरण अभियान चला रहा हैं। इसके लिए हुनर हाट सहित अनेकों कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मेरा मानना है कि इनका सबसे सटीक कारण हर नागरिक को नौकरी पाने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाना है, जिससे बेरोजगारी की समस्या भी दूर होगी और जो कौशलता के रूप में ज्ञान प्राप्त करेंगे, उनके किरदार में भी झलकेगा जो हमारी सदियों पुरानी संस्कृति भी रही है। इसके विपरीत हम देखते हैं कि किताबी पढ़ाई वाली डिग्रियां जिसे हम पढ़ाई के खर्चे की रसीदें भी कर सकते हैं, प्राप्त करने के बाद भी इंटर्नशिप या प्रैक्टिकल ट्रेनिंग लेना जरूरी होता है। केवल डिग्री के बलपर हम अपने व्यवसाय में प्रैक्टिस नहीं कर सकते या किसी जॉब में शामिल होने के बाद भी उसकी ट्रेनिंग लेनी होती है और हमारा किरदार उसमें झलकता है कि हम इसके विशेषज्ञ हैं फ़िर भी अक्सर देखा गया है कि बड़ी-बड़ी डिग्रियां प्राप्त करने के बाद जब सेवा करनें का मौका आता है तो अनेक लोग विदेशों में जाकर सेवाएं प्रदान करते हैं और वही बस जाते हैं इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि डिग्रियां तो पढ़ाई की रसीदें हैं, परंतु ज्ञान तो वही है जो किरदार में झलके।

साथियों बात अगर हम किताबी ज्ञान की करें तो, परिभाषा के अनुसार जिसने किताबी ज्ञान अर्जित किया हो और स्कूल कॉलेज की परीक्षाओं को पास करके डिग्री हासिल की हो वो शिक्षित है, और जिसे अक्षर ज्ञान ना हो, वो किताबी अनपढ़।पर क्या शिक्षा का अर्थ सिर्फ केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना ही है? एक शिक्षित इंसान के द्वारा फेंका हुआ कचरा, अगर सुबह एक किताबीअशिक्षित इंसान (सफाई कर्मचारी) उठाता हैऐसे में किसे शिक्षित कहना चाहिए सफाई कर्मचारी को या कचरा फेंकने वाले को? आजकल की शिक्षा ऐसे ही रट्टा फिकेसन की शिक्षा होती जा रही है। जहाँ मतलब समझ आए या ना आए, बस रट्टा मारों और पास हो जाओ।

साथियों शायद इसीलिये किताबी पढ़े-लिखे अनपढ़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। पिछले कुछ दशकों में शिक्षा का स्तर काफी बढ़ गया है पर शिक्षा की वैल्यू खत्म होती जा रही है। ध्यान दे तो याद आता है जहाँ कुछ साल पहले ग्रेजुएशन ही काफी था, आज पोस्ट ग्रेजुएशन,क्या पीएचडी की भी कोई वैल्यू नहीं है। तकनीकी शिक्षा पर जोर है। तकनीकी शिक्षा गलत नहीं है पर सिर्फ तकनीकी शिक्षा से काम नहीं चलेगा।

साथियों बात अगर हम किताबी शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्तियों की करें तो, बहुत अंतर है। किताबीअनपढ़ आदमी केलकुलेटर चलाना नहीं जानता सारा हिसाब किताब उंगलियों से करना पड़ता है पढ़ा-लिखा आदमी विना केलकुलेटर के चार में से दो घटाने के लिए भी अपनी उंगली नहीं घिसता। किताबी अनपढ़ व्यक्ति के पास अपने अनुभव के अतिरिक्त कुछ नहीं होता जबकि पढ़ा-लिखा व्यक्ति और के अनुभव भी उपयोग में ले आता है। किताबी अनपढ़ व्यक्ति अधिक प्रेक्टिकल होता है शिक्षित व्यक्ति इतनानही होता।कहीं बाहर जाने पर पढ़ा-लिखा व्यक्ति आसानी से पता ढूढ लेता है जबकि किताबी अनपढ को परेशानी होती है।एक युग था जब समाज में किताबी अनपढ बहुत थे तो उनका कामकाज भी उसी तरह चलता था ।आज किताबी अनपढ़ व्यक्ति को हर तरह की परेशानी उठानी पड़ती है। उसे पढ़े-लिखे लोगों पर आश्रित रहना पड़ता है।

साथियों बात अगर हम संस्कारों और विचारधारा की करें तो व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान के परिपक्व व्यक्ति अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पर चलकर संस्कारों का परिचय देते हैं। वहीं किताबी ज्ञान डिग्री लेने वाले कुछ अपवादों को छोड़कर संस्कारों और विचारधारा में साफ फर्क दिखा देने लगते हैं अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पुरानी और ढक्कोसली लगने लगती है रिश्ते नातों में कमजोरी को बल मिलता है और विवाहित होने पर सिर्फ अपने परिवार की जवाबदारी तक सीमित हो जाते हैं जबकि व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों में ऐसा नहीं है परंतु यह हम जरूर कहेंगे के किताबी ज्ञान वालों से अधिक ज्ञान समझ रखने वाले व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों के दोनों हाथों में मलाई होती है जिससे स्थिति अनुसार प्रयोग में करते हैं स्थिति बिगड़ी तो तुम तो पढ़े लिखे हो!! हम ठहरे अनपढ़, हमको क्या समझता है!! और परिस्थिति का हमारे तरफ झुकाव रहा तो, देखो तुम तो पढ़े लिखे हो!! तुम्हारी पढ़ाई लिखाई किस काम की? हम तो अनपढ़ ही अच्छे है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जो हमारे मानवीय गुणों को भी विकसित करें। हमें संवेदनशील, सहनशील और व्यवहारिक के साथ-साथ देश और समाज के प्रति जागरूक भी बनाएं। जैसे प्राचीन काल में गुरुकुल में होती थी।जहाँ ना सिर्फ पुस्तक ज्ञान सिखाते थे बल्कि आध्यात्मिक, सामाजिक, व्यवहारिक और शस्त्र ज्ञान भी शिक्षा के साथ-साथ ही सिखाया जाता था। अगर अच्छी किताबी शिक्षा या व्यवहारिक शिक्षा होने के बावजूद भी हम दकियानुसी सोच रखते हैं।अपने घर को साफ रखते हैं,पर सड़क पर कचरा करते है।दूसरो की पर्सनल लाईफ़ पर कमेंट करते हैं तो हमारे शिक्षित होने का क्या अर्थ है?इसलिए व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान में परिपक्व व्यक्तित्व का किरदार अगर किताबी ज्ञान की डिग्रियां ले तो सोने पर सुहागा होगा।

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

धरणीधर बेसुध हैं

अचेत पड़े हैं धरणीधर
खाकर दुष्ट के बरछी का घात।
विकल विलाप और सुधबुध खोकर
रघुनाथ बैठे हैं बेसुध आप।।
कौन बताये हल मूर्छा का
जामवंत जी भी साधे मौन।
पत्थर तैराने की बात होती तो
नल नील पर सबका ध्यान।।
किला अंदर वैद्य सुषेण हैं
कौन करे लाने का इंतजाम।
पहरे पर पहरा बैठा है
कैसे हो बुलाने का इंतजाम।।
मिलों दूर वो संजीवनी
जिसको लाना है कठिन काम।
एक लखन की बात नही है
फँसा हुआ है लाखों का प्राण।।
कालनेमी का माया भ्रम है
कठिन डगर वो द्रोण पहाड़।
समय कम है लाने को
संजीवनी का असीमित भण्डार।।
धीर धरो रघुवर तुम
पवनपुत्र है आपके पास।
संताप हरे जो जन मानस का
अतुलित बल है इनके पास।।
नव किरण रवि का लेकर आएंगे
नव जीवन में ऊष्मा संचार।
कष्ट काटेंगे जन समुदाय का
संजीवनी वाला द्रोण पहाड़।।
लहर खुशी के तब फैलेंगे
धरणीधर के जगने के बाद।
प्रभुराम के धनुष टंकार का
जबाब न होगा फिर अधमी के पास।।

श्री कमलेश झा
राजधानी नई दिल्ली

सुख भर दें भोले

करें कामना भोलेनाथ से,
जीवन सबका सुखमय कर दें,
आएं बाधा, संकट जो भी,
भोले उसे पलों में हर दें।
करें कामना ....
सेवा कर्म जो किये विगत में,
उसका मीठा फल भर दें,
आने वाला सफर तुम्हारा,
बस मुस्कानों से भर दें।
करें कामना .....
भोले ही सब करने वाले,
कदम-कदम सुख भरने वाले,
मन को पावन निर्मल कर दें,
इच्छाओं को भी कम कर दें।
करें कामना .....
बुरा किया हमने जो भोले,
अंतस पटल उतर कर आए,
कभी नहीं हो ऐसा फिर- से,
अपने जीवन में कह पाएं।
करें कामना .....
जुबां कहे हरदम बस भोले,
धर्म-कर्म में बस मन डोले,
बरसों-बरस बीतते जाएं,
खुशियां जीवन में बस घोलें।
करें कामना .....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,इन्दौर, मध्यप्रदेश

सावन ने श्रृँगार किया

वर्षा की पड़ रही है रिमझिम फुहार
पर्वत कीतन बदन में छाई है बहार
लो पुरवाई सागर से चलकर आई
सोलह श्रृंगार सावन सज धज आई
नदियों की बदन हवा छू कर चली जाये
मन में यौवन उमंग मचल मचल जाये
वन उपवन में कलियाँ देख मुस्कुराई
सावन की बदरा झूम कर नभ पे छाई
दादुर संग झींगुर गीत गुनगुनाया
अपने मीत को प्रीत जगाई
बरगद पीपल को बरखा नहलायी
देखो सावन दुल्हन बन शरमाई
धरा ने ओढ़ ली हरितमा की चादर
आसमां पे छाई पगला मन बादर
झूम रही है ये चंचल काली घटायें
प्यास धरती की वर्षा ने बुझाई

उदय किशोर साह
जयपुर जिला बाँका बिहार

खूबसूरत मोड़ : आम जीवन के संघर्ष एवं उपलब्धियों का कोलाज

कहानी गद्य की सर्वाधिक पसंद की जाने वाली विधाओं में से एक लोकप्रिय विधा है क्योंकि कहानी लोक का स्पष्ट संवाद है और कल्पना का विस्तार भी। आम जीवन की दैनंदिन चहल-पहल, घटनाएं, संघर्ष, उपलब्धियां, माधुर्य, प्रेम, सामंजस्य, सहकार, सहानुभूति, संवेदना, कसक, पीर जब शब्दों का जामा पहन पृष्ठों पर उतरती है तो बरबस पाठक का ध्यान अपनी ओर खींचती है। वर्तमान कहानी लेखन के दौर में कहानीकार राम नगीना मौर्य एक चर्चित, प्रतिष्ठित और खूब पढ़ा जाने वाला नाम है। रश्मि प्रकाशन, लखनऊ से 2023 में उनका प्रकाशित कथा संग्रह खूबसूरत मोड़ इस समय साहित्य क्षेत्र में न केवल चर्चा के केंद्र में है बल्कि पाठकों द्वारा पढ़ी सराही जाने वाली एक महत्वपूर्ण कथा कृति है। खूबसूरत मोड में आम जीवन के संघर्ष एवं उपलब्धियों के विविध मनोहारी चित्र उपस्थित हैं। यह रोजमर्रा के जीवन के तमाम चित्रों का कोलाज है जिसमें परिवार, पड़ोस, परिवेश में घट रही घटनाओं का सहज विवरण पाठकों के सम्मुख उपस्थित होता है। उसमें संवेदना का स्वर है तो संघर्ष का ताप भी, जीवन का मधुर राग है तो कठिन परिस्थितियों में जिजीविषा की आग भी। परिवार और परिवेश का सुंदर फलक उपस्थित है तो कल्पना का बहुरंगी वितान भी। खूबसूरत मोड़ जीवन के उस मोड़ से पाठकों को रूबरू कराता है जिसके आगे जीवन का सच देखा जा सकता है जहां संघर्ष, उत्सव एवं उपलब्धियों की एक अंतर्धारा प्रवहमान है। इस कथा कृति के पहले राम नगीना मौर्य के सात कहानी संग्रह आखिरी गेंद, आप कैमरे की निगाह में हैं, सॉफ्ट कॉर्नर, यात्रीगण कृपया ध्यान दें, मन बोहेमियन, आगे से फटा जूता तथा राम नगीना मौर्य की 23 कहानियां प्रकाशित होकर पाठकों द्वारा खूब पढ़े-सराहे गये हैं।

आइए, अब खूबसूरत मोड़ की कहानियों की ओर चलें। पहली कहानी खूबसूरत मोड़ मानवीय व्यवहार का दर्पण है जिसमें अव्यक्त प्रेम, मिलन की उत्कंठा व्यक्त हुई है तो शर्म संकोच एवं झिझक भी खिड़कियों से झांक रही है। यह कहानी मानव मन की शुचिता, करुणा, मधुरता, परदुख कातरता और मैत्री भाव को स्थापित करती है तो तलाकशुदा महिला के जीवन संघर्ष और पारिवारिक जिम्मेदारियों के सम्यक निर्वहन को सराहती भी है। शास्त्रीय संगीत में एकल परिवार में बच्चों की परवरिश में आ रही चुनौतियों, बाधाओं एवं परेशानियों का वर्णन है तो साथ ही रोती बच्ची को चुप कराने के लिए पड़ोसियों द्वारा बिन मांगे मिलने वाले सुझावों एवं देशी दवाओं के नुस्खों का रोचक चित्रण हुआ है। शास्त्रीय संगीत के राग किस प्रकार एक छोटे बच्चे के मन को आकर्षित करते हैं, यह पढ़ना भी दिलचस्प है। सरनेम के

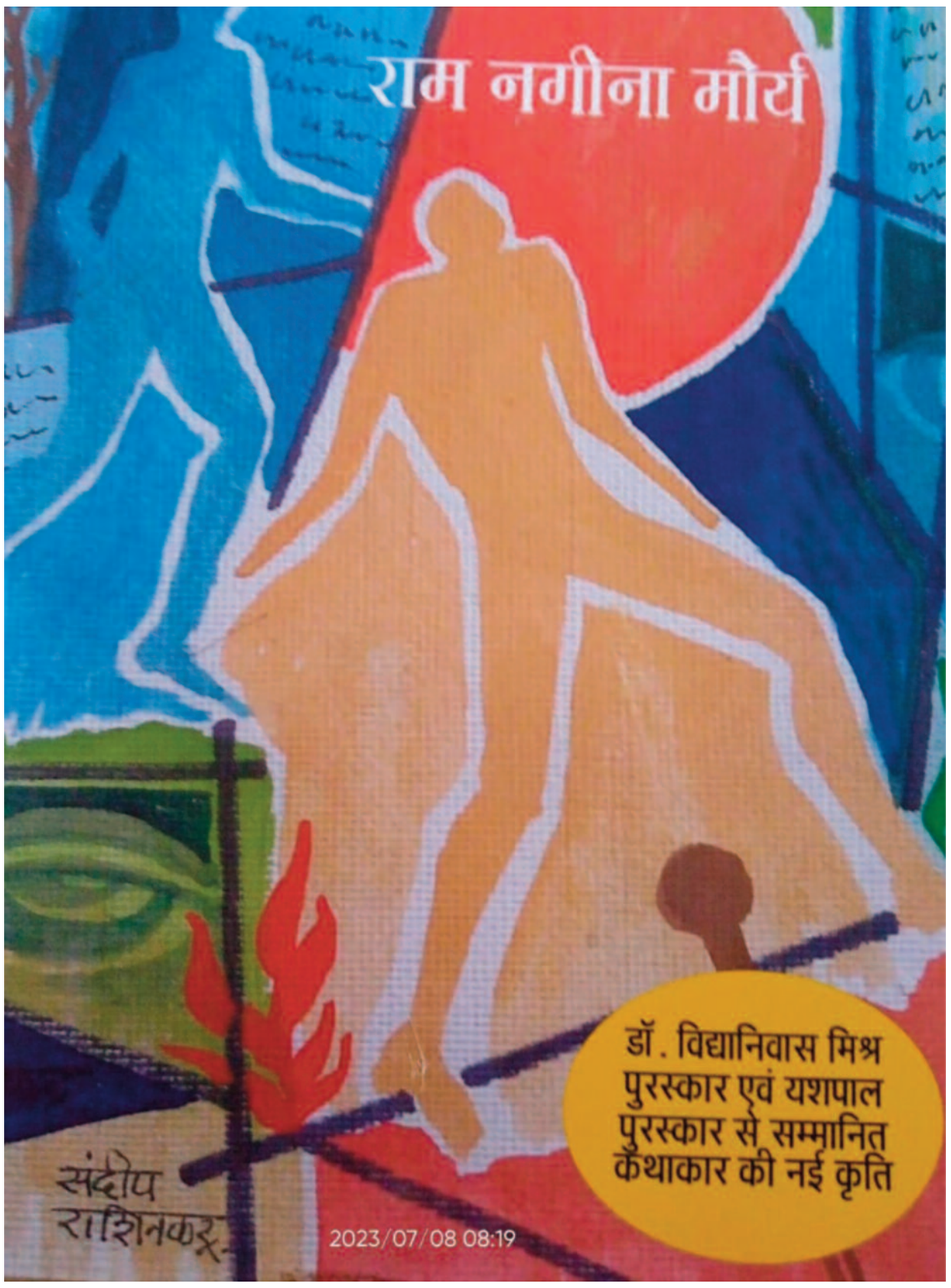

माध्यम से कथाकार उस भारतीय प्रवृत्ति पर चोट करने में सफल हुआ है जहां हर व्यक्ति अगले का सरनेम जानने को इच्छुक है और तदनुरूप व्यवहार करने का अभ्यस्त भी। कहना न होगा कि व्यक्ति की पहचान उसके सरनेम से इस कदर चिपक गई है कि बिना सरनेम उसे अपनी पहचान में ही संकट नजर आने लगता है। गुरु मंत्र कहानी के पात्र हमारे कार्यालयों में खुद दिखाई देते हैं जो कोई काम न करते हुए भी अधिकारियों के प्रिय होते हैं। बातचीत में कुशल ये अद्भुत प्राणी अन्य सहकर्मियों को अक्सर गुरुमंत्र देते नजर आते हैं कि नो वर्क नो रिस्क या फिर बने रहो पगला काम करे अगला। आदर्श शहरी उस मानसिकता पर प्रहार करती है जो सेफ जोन की तलाश में रहती है। व्यक्ति जहां है वहां बेहतर सामाजिक परिवेश का निर्माण में योगदान करने की बजाय वह ऐसी जगह रहने को उत्सुक एवं आकांक्षी होता है जो उसकी दृष्टि में आदर्श होती है। यह कहानी बताती है कि आदर्श मुहल्ले में रहने आया एक व्यक्ति कैसे चोरी का शिकार हो जाता है और तब वह अपने गांव लौट जाता है। कहानी छुट्टी का एक दिन कामकाजी व्यक्ति के अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने में जुट जाने से अधिक व्यस्तता वाला दिन बन जाता है। हस्बेमामूल रेल यात्रा के दौरान घटित रोचक घटनाओं से पाठकों परिचित कराती है। इसमें जीवन के विविध रंग एवं दृश्य शामिल हैं। फैशन के इस नाजुक दौर में न कोई वस्तु टिकाऊ है और न ही विश्वसनीय। खिड़की के उस पार दैनंदिन जीवन में घट रही घटनाओं के छोटे-छोटे चित्र हैं। इनमें व्यंग्य की छाया भी पड़ रही है।

इन सभी कहानियों में जीवन की सुखद संगति है तो विसंगतियां भी, जो सिर उठाए नर्तन कर रही है, रोजमर्रा जीवन की कहानियां सांसे ले रही हैं। दुख, कसक एवं पीड़ा के बीच उग आये रोशनी के पौधे हैं जिनसे फूटे प्रकाश में लोक अपने हिस्से की खुशियां बीन-बटोर रहा है। इन कहानियों को पढ़ते हुए पाठक के सामने सैकड़ों जुगनू अपना कोमल नीला आलोक बिखेर रहे हैं। कहानियों के पात्र हमारे अपने परिवेश के हैं जो हमें रोज मिलते हैं, पर हम उनको इतनी गहराई से नहीं समझ पाते जितना कि एक कथाकार के रूप में राम नगीना मौर्य अपनी बारीक नजर से पकड़ पाने में समर्थ हुए हैं। भाषा सहज सम्प्रेषणीय आम बोलचाल की है जो पाठक को कहानी से जोड़ स्नेहिल रिश्ते को आत्मीयता के पराग से सुवासित कर देती है, उसके चित्त को बांध लेती है। राम नगीना मौर्य की कथा कहन की खासियत है कि वह बहुत महत्वपूर्ण कथ्य को सहजता से कह जाते हैं। उनके लेखन में मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग भी खूब दृष्टव्य है जो संवादों को प्रभावपूर्ण बनाते हैं। ये कहानियां जीवन के संघर्ष एवं उत्सव का कोलाज है, इसमें मानव व्यवहार की जटिल उलझन एवं गांठों का खुलाव है तो समस्याओं से समाधान के रास्ते भी निकलते दिखाई देते हैं। सामाजिक सरोकारों एवं जीवन मूल्यों को उद्घाटित करती इन कहानियों में यथार्थ का अंकन है। सच के कैनवास पर जीवन अपनी वास्तविक छवि के साथ प्रकट हुआ है, इसीलिए न भाषा में कृत्रिता है न सम्बन्धों में। बनावटीपन से दूर ये कहानियां समाज की वास्तविकता की कठोर भूमि पर अंकुरित हो पल्लवित एवं पुष्पित हुई हैं। कथाकार की दृष्टि व्यापक है, उसके सूक्ष्म अवलोकन से परिवेश का कोई कोना-कोतरा नहीं बचा है। इन कहानियों में पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़ा संघर्षरत आम आदमी अपनी भाषा, व्यवहार एवं संवेग के साथ नायक हो उभरा है। मध्यमवर्गीय चेतना से लैस ये कहानियां हर पल की साक्षी है जो जिजीविषा के लिए वेदना की नदी तैर कर पार जाने को उत्सुक एवं लालायित है। कथा कृति खूबसूरत मोड़ कथा साहित्य में नवल आयाम स्थापित करते हुए पाठकों एवं समीक्षकों के मध्य समादृत होगी, ऐसा विश्वास है।

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उत्तरप्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

नवापारा से कुन्नी पहुंच मार्ग प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की सड़क हुई पूरी तरह से जर्जर

- चुनाव से पहले सड़क का निर्माण नहीं होने की स्थिति में ग्रामीण कर सकते हैं विधानसभा चुनाव का बहिष्कार
- नवापारा से कुन्नी पहुंच मार्ग पीएमजीएसवाई सड़क की दूरी लगभग 15 से 20 किलोमीटर है
- सड़क में जगह-जगह दो फीट से भी अधिक गड्ढे
- क्षेत्रीय विधायक ने बारिश के उपरांत स्वीकृति दिलाने का दिया आश्वासन

-मनोज कुमार-
लखनपुर,09 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के अंतर्गत आदिवासी बहुल और वनांचल क्षेत्र कुन्नी के मुख्य सड़क नवापारा से कुन्नी पहुंच मार्ग प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाई गई सड़क की हालत खस्ता आवागमन में लोगो को हो रही परेशानी ।

सुध लेने वाला कोई भी जनप्रतिनिधि नहीं है जिसके कारण ग्रामीण परेशान होकर एनएच अंबिकापुर-बिलासपुर के मुख्य सड़क मार्ग से नावापारा से कुन्नी पहुंच मार्ग जिसकी दूरी लगभग 15 से 20 किलोमीटर है जहां सड़क में आने -जाने के लिए क्षेत्रवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क जगह-जगह इतनी जर्जर हो चुकी है कि सड़क में 1से 2 फीट बड़ा बड़ा गड्ढा देखने को मिल रहा है । जिस के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं भी होती रही है मोटरसाइकिल हो या चार पहिया वाहन आने जाने में क्षेत्रवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जर्जर सड़क की शिकायत कई बार क्षेत्रीय विधायक और जिला पंचायत सदस्य से लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से कई बार ग्रामीणों के द्वारा सड़क निर्माण की स्वीकृति के लिए मांग की गई परंतु आज दिनांक तक किसी भी जनप्रतिनिधि ने यह जर्जर सड़क से क्षेत्रवासियों को निजात नहीं दिला पाए। जिसके कारण क्षेत्रवासी क्षेत्रीय विधायक और जिला पंचायत सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की है ।

समय रहते जर्जर सड़क का निर्माण नहीं होने पर कभी भी बड़ी सड़क दुर्घटनाएं होने की संभावना बनी रहती है।

इस संबंध पर क्षेत्रीय विधायक डॉ प्रीतम राम से पूछे जाने पर बताया गया कि साडे 4 साल की शासनकाल में बहुत सारे विकास के कार्य किए गए हैं जिसमें 2 वर्ष कोरोना काल मैं चला गया और इस समय बरसात हो रही है सड़क निर्माण का मौसम अनुकूल नहीं है जैसा ही मौसम अनुकूल होता है स्वीकृति प्रदान करने का कोशिश किया जाएगा।

डॉ प्रीतम राम
क्षेत्रीय विधायक

जल संसाधन विभाग के निविदा प्रणाली से ठेकेदार संघ नाराज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के ठेकेदार संघ ने जल संसाधन विभाग द्वारा निकाली जा रही निविदा नीति पर सवाल उठाया है। ठेकेदार संघ का आरोप है कि जल संसाधन विभाग बाहरी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए निविदा नीति में मनमानी तरीके से परिवर्तन किया है। सरगुजा संभाग के ठेकेदार संघ का कहना है कि बाहर की कंपनियों को लाभ पहुंचाने के मंसूबे से जल संसाधन विभाग द्वारा निविदा नीति में परिवर्तन करते हुए अब एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट मांगा जा रहा है। जबकि जिस ठेकेदार के पास एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट नहीं है उसे निविदा भरने की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि इस नए नियम के लागू होने के बाद संभाग के सभी ठेकेदार अब जल संसाधन विभाग द्वारा निकाले जाने वाली निविदा प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। जिसके विरोध में अब सरगुजा संभाग ठेकेदार संघ मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप पुराने नियम को लागू करने की मांग की है।

मटन व चिकन से भी महंगा बिक रहा सरगुजा की प्राकृतिक सब्जी पुटू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

शाकाहारी सब्जियों में सबसे महंगी सब्जी के रूप में पनीर का नाम सामने आता है। मांसाहारी में मटन, चिकन व मछली महंगी होती है। लेकिन हम आपको एक ऐसी सब्जी के बारे में बताने जा रहे हैं जो पनीर, चिकन, मछली व मटन से भी महंगी बिक रही है। इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन होती है। जो शरीर की इम्यूनिटी भी बढ़ाती है। बारिश का सीजन शुरु होते ही इस सब्जी की आवक शुरु होती है। इसका नाम पुटू है। यह मशरूम की प्रजाति की होती है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं व पुरुष इसे लेकर शहर पहुंचते हैं और 800 रुपए प्रतिकिलो तक बेचते हैं। फिलहाल इसकी कीमत 600 रुपए से 800 रुपए चल रही है। लोग बड़े चाव से इसकी सब्जी खाते हैं।

सरगुजा की प्राकृतिक सब्जी पुटू बाजार में आ चुकी है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं व पुरुष शहर आकर जगह-जगह इसकी दुकान सजा रहे हैं। बारिश शुरु होने के बाद लोगों को भी पुटू के बाजार में आने का इंतजार रहता है। पुटू को देखते ही लोग इसकी खरीददारी करने में जुट गए हैं। आलम ये है कि शुरुआती दिनों में पुटू 600 से 800 रुपए प्रतिकिलो बिक रही है। पुटू में काफी मात्रा में प्रोटीन होता है, यह शरीर की इम्यूनिटी भी बढ़ाने के लिए बेहतर है। हर साल ग्रामीण क्षेत्र के लोग इसे जंगल से बीनकर लाते हैं और बाजार में बेचते हैं। सरगुजा का पुटू दूसरे शहरों में भी काफी पसन्द किया जाता है।

एक प्रकार का कवक है पुटू

सरगुजा जिले में हर साल बारिश के सीजन में पुटू बहुतायत मात्रा में मिलता है। शुरुआती दिनों में इसके दाम आसमान को छू रहे होते हैं लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता जाता है इसकी कीमत कम होती जाती है। लोग बड़े चाव से इसकी सब्जी बनाकर खाते हैं। इस संबंध में राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र के प्लांट पैथालॉजी विभाग द्वारा बताया गया कि पुटू एक प्रकार का कवक (फंगस) है जो मशरूम के रूप में उपलब्ध है। बारिश प्रारम्भ होने के साथ ही बलुई, जलोढ़ मिट्टी में यह कवक जमीन से निकलने लगता है।

रामचंद्र सोनी पंचतत्व में विलीन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

सरगुजा में जनसंघ के संस्थापक सदस्य रहे रामचंद्र प्रसाद सोनी का कल रात्रि में निधन हो गया। स्वर्गीय रामचंद्र सोनी भाजपा नेता अखिलेश सोनी के मामा तथा सुरेंद्र सोनी व सुरेश सोनी के पिता थे। भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि स्वर्गीय रामचंद्र सोनी जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में थे, उन्हें आपातकाल में जेल भी जाना पड़ा था। भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने मीसा बंदी स्वर्गीय रामचंद्र सोनी के जीवन को कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्पद बताते हुए उनके निधन पर दुःख जताया है तथा उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है। आज स्वर्गीय रामचंद्र सोनी के पार्थिव शरीर को उनके परिजनों ने पंचतत्व में विलीन किया। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मधुसुदन शुक्ला, पार्षद टिन्नी सिंह, संजीव सेठ, गौतम विश्वकर्मा, मिथलेश सोनी, सिंधु सोनी, जितेंद्र सोनी, मयंक जयसवाल सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भाजपा की ओर से स्वर्गीय रामचन्द्र प्रसाद सोनी के पार्थिव शरीर को भाजपा का झंडा ओढ़ाया तथा सम्मानपूर्वक विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

करम के डार नोनी सरना कर पूजा,सबले सुघ्घर एदे हमर सरगुजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज जिला शाखा अम्बिकापुर की ओर से शायर-ए-शहर यादव विकास की अध्यक्षता में सियान सदन में बुज़ुर्गों के सम्मान में सरस कवि-सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के कवियों ने अपनी उत्कृष्ट कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व बीडीओ आरएन अवस्थी, विशिष्ट पूर्व एडीआईएस ब्रह्माशंकर सिंह और जमुनालाल श्रीवास्तव थे।

अतिथियों द्वारा मां वीणावादिनी की पूजा व लोकगायिका पूर्णिमा पटेल की मनोहरी सरस्वती-वंदना की प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पेंशनर्स समाज के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने सभी आगंतुक कवियों का सम्मान करते हुए अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा समाज के नये सदस्यों का परिचय भी कराया। तत्पश्चात् कवयित्री माधुरी जायसवाल ने मां महामाया से सहज विनय-निवेदन किया- हे मां, मेरा विश्वास न उठने देना। यदि दुनिया में भय से डर जाऊं, अंधेरों में कहीं सिमट जाऊं, तो बन के रौशनी मुझे राह दिखा देना। डॉ. पुष्पा सिंह ने बुज़ुर्ग माता-पिता के अवदानों को याद किया और संतानों से उनकी निरंतर सेवा व देखभाल का अनुरोध किया- दर्द कैसा भी हो दवा अपने हाथ है। बेफिक्र, बिंदास हूं, मां की दुआ साथ है। ज़िंदगी से हारकर मौत को गले लगाने आया। लंबी उम्र की दुआ मांगते मां-बाप को पाया। कविवर विनोद हर्ष ने सही कहा कि पग-पग पर सुख-दुख का इम्तहान होता है तब जाकर कोई शख़्स मुकम्मल सियान होता है। भुजंग। प्रसिद्ध अभिनेत्री व कवयित्री अर्चना पाठक ने महाकाल को दुखहर्ता बताया- सत्यम् शिवम् तो यहां तक कह दिया- काले बादल आए, रिमझिम बूंद गिराए, तन की ज्वाला मिटा कर मन में आग लगाए। अपना घर सबको प्यारा लगता है, यह बात गीत-कवि कृष्णकांत पाठक से ज्यादा भला कौन जान सकता है! कोचईपान, लकरा के चटनी संग बासी खवईया, सबले सुघ्घर एदे हमर सरगुजा। वरिष्ठ कवि उमाकांत जग को जगाते हैं, कलम के हैं सिपाही वो, मरकर भी नहीं मरते। प्रख्यात कवयित्री पूर्णिमा पटेल की जाना वो अतीत हो गया, अंजू पाण्डेय की- जब हो जाती भोर, निकलूं मैं जंगल की ओर, चंद्रभूषण मिश्र की - मुझे कुछ नहीं चाहिए साहस का एक संयम ही दे दो, अजय श्रीवास्तव की कविता- ये दुनिया मुझको तंग करती है, निर्मल गुप्ता का कलाम- बुज़ुर्गों की झुर्रियां और सफेद बाल उनके अनुभवों का भण्डार है तथा आरके द्विवेदी व पूनम देवी की भोजपुरी कविताओं की श्रोताओं ने भरपूर सराहना की। शायर-ए-शहर यादव विकास की ग़ज़ल ने सबके दिलों को छू लिया और खूब तारीफें बटोरीं- फिर किसी ने ग़ज़ल सुनाई है, कली गुलशन में खिलखिलाई है। महफ़िलों में बिखर गई ख़ुशबू, आप आए बहार आई है। अंत में, सरोकारों के कवि मुकुंदलाल साहू ने बारिश के मौसम में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों पर चिंता जाहिर करते हुए दोहे प्रस्तुत कर कार्यक्रम का यादगार समापन किया- सभी सब्ज़ियों में अभी, लगी हुई है आग, गूंज उठा बरसात में, महंगाई का राग। कार्यक्रम का काव्यमय संचालन अर्चना पाठक और आभार संस्था के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने जताया। इस अवसर पर पेंशनर्स समाज के जयप्रकाश चैबे, त्रिलोचन यादव, रामखिलावन गुप्ता, एमडी सिंह, नरेन्द्र सिंह, एमएम मेहता, परहंस सिंह, रवीन्द्र तिवारी, नरेन्द्र सिंह, बलराम सिंह, डॉ. जीके अग्रवाल, शशिभूषण कुशवाहा, जीतेन्द्र सिंह, रविभूषण गुप्ता, अश्वनी श्रीवास्तव, आरएस कंवर सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे।

कवि रामलाल विश्वकर्मा ने मां के विषय में उम्दा बातें कहीं- खाती नहीं खुद पर खिलाती है, रातभर जागकर बच्चों को सुलाती है। वह एक सजग प्रहरी और बागबां होती है क्योंकि वह मां होती है।

पवित्र श्रावण मास और भगवान शिव का अनन्य संबंध जगजाहिर है। गीतकार पूनम दुबे ने दोहे में भगवान शंकर की महिमा का बखान किया- सावन पावन है सदा, शिव-गौरी के संग। औघड़दानी नाम है, लिपटे रहें पहचान लो, जग है मिथ्या जाल। भक्तों का दुख हर रहे, पास न आए काल। सारिका मिश्रा ने शिव-आराधना करते हुए अपनी विवशता का उल्लेख किया- भोले बाबा को मनाऊं तो मनाऊं कैसे? धाम उनका दूर बहुत है, जाऊं तो जाऊं कैसे? वरिष्ठ कवयित्री गीता दुबे ने अपने काव्य में सावन की अद्भुत छटा बिखेरी- ये सावन की बूंदे खुशबू लुटाए, माटी-महक मेरे मन को लुभाए। वरिष्ठ कवि बंशीधर लाल ने नाचे दिल पागल मयूर हो, धरती भी मुस्काए, झूमे तरु-पल्लव पुलकित हो लहर-लहर लहराए। कवि-ग़ज़लकार राजेश पाण्डेय 'अब्र' ने सावन में बूंदों से मल्हार बरसने की बात कही- लौट के आया अब के फिर से सावन मस्त बहारों में। हरियाली अब रंग ओढ़ बिखरी है मस्त नज़ारों में। बूंदों से मल्हार बरसना प्रीत में जबसे देख लिया, रिश्तों का विस्तार हुआ- धरती, आकाश, सितारों में। उन्होंने गीत गाया- सबसे प्यारा मेरा घर, जग से न्यारा मेरा घर। जब भी हारा मन से अपने, दिया सहारा मेरा घर। कवि संतोष 'सरल' हिन्दी व सरगुजिहा के प्रतिभावान रचनाकार हैं। कवि-सम्मेलन में उन्होंने अपने श्रेष्ठ सरगुजिहा गीत की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया- करम के डार नोनी सरना कर पूजा, सबले सुघ्घर एदे हमर सरगुजा। हमर खेते होथे कुसियार, गहूं, धान, साग-भाजी होथे जम्मो, आलू, पाण्डेय का स्मृति-गीत भी सबके मन के तारों को झंकृत कर गया- मैं तेरी यादों में खोया, कुछ-कुछ जागा, कुछ-कुछ सोया। तुमने फिर सपनों में आकर मुझको अपनी बांह उढ़ा दी, तुमने रात की उमर बढ़ा दी। वरिष्ठ रचनाकार डॉ. सपन सिन्हा ने कलमकारों के विषय में बताया- सदा उपकार करते हैं, कभी नफ़रत नहीं करते, जिनके हांथों में सूरज हो, अंधेरों से नहीं डरते। अपनी लेखनी से जो यहां कविता में इंसान के दोहरे चरित्र का चित्रण हुआ- यूं तकल्लुफ़ से बात करते हो, नश्तरों की तरह गुज़रते हो। इतना मायूसपन भी ठीक नहीं, बारहा पतझड़ों-सा झरते हो। कवि-सम्मेलन में सरगुजा विश्वविद्यालय के प्राध्यापक राजकुमार उपाध्याय 'मणि' की कविता - ऐ मेरे यारों, पुरानी बातों को छोड़, ज़िंदगी में अब नई बातों को जोड़, कवयित्री गीता द्विवेदी की रचना- बस स्वप्न देखते व्यतीत हो गया, जिसे भविष्य

CMYK

एंट ग्रुप पर चीनी सरकार की बड़ी कार्रवाई, एक अरब डॉलर का लगाया जुर्माना

बीजिंग । चीनी सरकार ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फाइनेंसियल टेक्नोलॉजी कंपनी एंट ग्रुप पर 98.5 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये जुर्माना एंट और उसकी सब्सिडयरी कंपनियों पर लगाया गया है। साथ ही कंपनी को अपने क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म झियांगुबाओ को बंद करने का आदेश भी दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद एंट ग्रुप की ओर से कहा गया कि 2020 से वे लगातार अपने कारोबार में सुधार कर रहे हैं और पूरी गंभीरता और ईमानदारी के साथ सभी नियमों का पालन करेगा। चीनी अधिकारियों ने बताया कि अब वे टेक कंपनियों पर कंट्रोल में छूट देने की तैयारी कर रहे हैं। 2020 में चीन सरकार द्वारा एंट ग्रुप की कार्रवाई शुरु की गई थी, जिसमें इसकी सहयोगी कंपनी अलीबाबा पर 2.8 अरब डॉलर की एंटी ट्रस्ट पेनल्टी लगाई गई है। इसी तरह दीदी, जो कि एक राइड हैंडलिंग ऐप है। उस पर भी 1.2 अरब डॉलर का जुर्माना लग चुका है। गौरतलब है कि एंट दुनिया की सबसे बड़ी फाइनेंसियल टेक कंपनी है। इसकी स्थापना 2014 में हुई थी। चीनी रेगुलेटर की ओर से नवंबर 2020 में एंट के आईपीओ को रोक दिया गया था। यह दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ था, जो कि हांगकांग और शंघाई के बाजारों से करीब 34 अरब डॉलर निवेशकों से जुटाने वाला था। एंट ग्रुप के संस्थापक जैक मा ने 2020 में चीनी नियामकों की आलोचना की थी। इसके बाद से उनकी कंपनियों पर लगातार चीन सरकार की ओर से कार्रवाई की जा रही है।

श्रीलंका जलसीमा में प्रवेश कर मछली पकड़ने के आरोप में 15 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार

श्रीलंका। श्रीलंका की जलसीमा में प्रवेश कर कथित रूप से मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना ने मछली पकड़ने वाले दो जहाजों पर सवार 15 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को इसकी जानकारी दी गई। श्रीलंका की नौसेना ने एक बयान में कहा, नौसेना और तट रक्षक बल ने आठ जुलाई की रात को श्रीलंका में अवैध रूप से मछली पकड़ने में लगे भारतीय जहाजों को खदेड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। बयान में कहा गया है कि जाफना में डेल्फ्ट द्वीप पर चलाए गए अभियान में 15 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें कहा गया है कि मछुआरों को गिरफ्तार कर उनके पास से जब्त किए गए मछली पकड़ने वाले जहाजों को कांकेसंथुराई बंदरगाह लाया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए मैलाडी मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने पिछले महीने अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में तमिलनाडु के 22 मछुआरों को गिरफ्तार किया था। बयान में कहा गया है कि 2023 में अब तक, श्रीलंकाई नौसेना ने मछली पकड़ने में इस्तेमाल किए जाने वाले 12 भारतीय जहाज जब्त किए हैं और इस साल वहां के जलसीमा से 74 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया। सभी मछुआरों को कानूनी कार्रवाई के लिए श्रीलंकाई अधिकारियों को सौंप दिया गया। भारत और श्रीलंका के बीच कई उच्च-स्तरीय वार्ताओं के बावजूद भारतीय मछुआरों द्वारा श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने की समस्या लगातार रही है।

ब्राजील में एक जीर्ण-शीर्ण इमारत इमारत ढहने से 14 लोगों की मौत

पेरनामबुको। ब्राजील के पूर्वोत्तर राज्य पेरनामबुको में एक जीर्ण-शीर्ण इमारत के ढहने से छह बच्चों समेत 14 लोगों की मौत हो गई। इस इमारत में बेघर लोगों ने आश्रय लिया था और एक दशक से भी अधिक समय से वे उसमें रह रहे थे। दमकल कर्मियों ने यह जानकारी दी। रेसिफ के पॉलिस्ता उपनगर में जीर्ण-शीर्ण इमारत शुक्रवार तड़के ढह गई, जिसके बाद इसमें रह रहे लोगों की तलाश तेज कर दी गई।दमकल कर्मियों ने शनिवार को बताया कि बचावकर्ताओं ने खोजी कुत्तों की मदद से मलबे में तलाश की और 15 साल की दो लड़कियों तथा 65 साल की महिला को जीवित बाहर निकाला गया, साथ ही हादसे में घायल 18 वर्षीय युवक को भी निकाला गया, लेकिन बाद में उसने दम तोड़ दिया। दमकल विभाग ने कहा, ''खोज अभियान अब मवेशियों को हटाने पर केंद्रित है।'' एक बयान में कहा गया कि इमारत पर बेघर लोगों का कब्जा था, हालांकि 2010 से वहां रहना प्रतिबंधित था। समाचार पत्र 'फोल्हा डे साओ पाउलो' ने बताया कि शहर के अधिकारियों ने राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की हालिया यात्रा के दौरान इस मुद्दे को उठाया था।

चीन में भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन, नौ लोग लापता

बीजिंग। मध्य चीन में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद नौ लोग लापता हैं। भारी बारिश के कारण इलाके में बाढ़ भी आ गई है और देश के अधिकतर हिस्सों में तापमान बढ़ा है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हुबेई प्रांत में एक राजमार्ग निर्माणस्थल पर मलबे के नीचे दबे पांच लोगों को बचाया गया, जहां रविवार को भूस्खलन की घटना हुई थी। बचावकर्मी अब भी मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। चीन के उत्तरी, मध्य और दक्षिणपूर्व क्षेत्र में बाढ़ की वजह से हजारों लोगों ने आश्रय स्थलों में शरण ली है। चीन में बाढ़ की घटनाएं आम हैं लेकिन इस साल जलस्तर बढ़ने के साथ साथ तापमान भी बढ़ा है। चीन इस वर्ष गर्मी, लू, बाढ़ और सूखे की घटनाओं से प्रभावित रहा। इस सप्ताह से पहले बीजिंग में लगातार नौ दिन तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा, जो 1961 के बाद पहली बार देखा गया है। अधिकारियों ने राजधानी और अन्य जगहों पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी जारी की हैं और आवश्यक कार्यों को छोड़कर घरों से बाहर निकलने पर रोक लगाई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि बीजिंग में लू लगने से अब तक दो लोगों की मौत हुई है। पिछले महीने भी बीजिंग में एक महिला की लू लगने से मौत हो गई थी।

धरती पर पानी कैसे आया.....इसकी जानकारी में वैज्ञानिक एक कदम बढ़े

वाशिंगटन । वैज्ञानिकों के सामने हमारी पृथ्वी पर पानी की मौजूदगी का सवाल काफी लंबे समय से है। पृथ्वी की सतह पर 71 फीसदी हिस्सा पानी से ढका होने के बावजूद इसकी उत्पत्ति एक रहस्य का विषय है। पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक सिद्धांतों के मुताबिक पानी एस्टेरॉयड से आया है या फिर पृथ्वी ने अपना पानी खुद बनाया है। अब शोधकर्ताओं ने इस रहस्य के खुलासे में एक और कदम बढ़ाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक पृथ्वी का निर्माण शुरुआत में सूखी और चट्टानी सामग्रियों से हुआ था, जो दिखाता है कि ग्रह पर पानी बाद में आया होगा।

शोधकर्ताओं का प्रस्ताव है कि पृथ्वी के निर्माण के अंतिम 15 फीसदी के दौरान ही इसमें पर्याप्त मात्रा में पानी और जीवन के लिए आवश्यक पदार्थ शामिल हो गए थे। अनुमान के मुताबिक पृथ्वी 4.5 अरब वर्ष पुरानी है और वैज्ञानिक अभी भी यह जानने में लगे हैं कि आखिर इसका निर्माण कैसे हुआ। इस प्रक्रिया का अध्ययन का एक तरीका पृथ्वी के आंतरिक भाग में गर्म मैग्मा की जांच करना है। हालांकि हम सीधे तौर पर पृथ्वी की गहराई तक नहीं पहुंच सकते बल्कि मैग्मा लावा के रूप में सतह तक आता है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि मैग्मा पृथ्वी की अलग-अलग गहराई में होते हैं। जैसे ऊपरी मेंटल 15 किमी गहराई से शुरू होता है और लगभग 680 किमी तक फैला होता है। निचला मेंटल 680 किमी से 2900 किमी कोर मेंटल की सीमा तक फैला होता है। विभिन्न गहराई से मैग्मा का अध्ययन करके वैज्ञानिक पृथ्वी की परतों और संरचना और हर परत में मौजूद रसायनों के बारे में जानकारी पा सकते हैं। पृथ्वी का निर्माण तुरंत नहीं हुआ बल्कि समय के साथ अलग-अलग सामग्रियों के आपस में मिलने से इसका विकास हुआ। इसका अर्थ है कि निचला मेंटल और ऊपरी मेंटल पृथ्वी के निर्माण से जुड़ी जानकारी दे सकते हैं।

सियोल में जापानी प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग, ये लोग फुकूशिमा संयंत्र के पानी को समुद्र में बहाने का विरोध करते हुए।

अमेरिका प्रौद्योगिकी निर्यात पर सुरक्षा संबंधी पाबंदियों के बारे में चीन की शिकायतें सुनेगा -येलेन

बीजिंग। अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने संबंधों में तनाव खत्म करने के उद्देश्य से की चीन की यात्रा समाप्त करते हुए रविवार को कहा कि उनका देश अमेरिकी प्रौद्योगिकी निर्यात पर सुरक्षा संबंधी पाबंदियों के बारे में चीन की शिकायतों को सुनेगा। येलेन ने व्यापार पर ''लक्षित उपायों'' का बचाव किया। चीन की नेताओं की शिकायत है कि इन प्रतिबंधों का उद्देश्य नवोदित प्रौद्योगिकी उद्योगों को क्षति पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन ''अनावश्यक दुष्परिणामों से बचना'' चाहता है लेकिन उन्होंने संभावित बदलावों का कोई संकेत नहीं दिया। प्रौद्योगिकी, सुरक्षा एवं ताइवान और अन्य मुद्दों पर विवाद के कारण अमेरिका और चीन के संबंध दशकों बाद अपने सबसे निचले स्तर पर है। चीन की एक बड़ी शिकायत सुरक्षा आधार पर प्रोसेसर चिप और अन्य अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुंच से जुड़ी है जिससे सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के स्मार्टफोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य उद्योगों के विकास को नुकसान पहुंचने का खतरा है। येलेन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम संवाद के माध्यम शुरू करेंगे ताकि वे हमारे कदमों को लेकर चिंताओं को व्यक्त कर सके और हम अपने कदमों के अनापेक्षित परिणामों पर प्रतिक्रिया दे सकें।'' उन्होंने 10 घंटे चली बैठकों में चीन की सत्तारूढ़ पार्टी में दूसरे शीर्ष नेता प्रधानमंत्री ली क्विंग तथा अन्य अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने शनिवार को चीन के अपने समकक्ष एवं उप प्रधानमंत्री ली लिफेंग से बातचीत की।

दशकों में पहली बार बढ़े तपेदिक के मामले, कोविड-19 महामारी के कारण स्वास्थ्य पहल प्रभावित हुईं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कोविड-19 वैश्विक महामारी का कारण बने सार्स-कोव-2 वायरस के 2020 में फैलने से पहले दुनियाभर मेंकिसी भी अन्य संक्रामक बीमारी की तुलना में तपेदिक (टीबी) से सबसे अधिक लोगों की मौत होती थी, लेकिन अमेरिका और विश्व स्तर पर जन स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए उठाए गए कदमों के कारण, दशकों से तपेदिक के मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही थी। मैं एक संक्रामक रोग चिकित्सक हूं और दो दशक से अधिक समय से अमेरिका में वंचित समुदायों की देखभाल कर रहा हूं। वैश्विक महामारी के दौरान पहली बार ऐसा लगा कि 'फ्लू' जैसी कई अन्य सामान्य बीमारियों की तरह ही कोविड-19 की रोकथाम से जुड़े प्रयासों के जरिये तपेदिक के मामलों में भी कमी आई है। लेकिन तपेदिक के मामले फिर से वैश्विक महामारी से पहले के समान हो गए हैं।

पिछले कई दशकों में पहली बार वैश्विक स्तर पर इसके मामलों और इससे होने वाली मौत के आंकड़ों में वृद्धि देखी गई है। वैश्विक महामारी ने न केवल तपेदिक के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल को बाधित किया, बल्कि इसने दुनियाभर में हाशिये पर रहने वाले लोगों के लिए सामाजिक व आर्थिक अवसरों में भी कमी लाई। ऐसा प्रतीत होता है कि इन कारणों से तपेदिक से निपटने में गंभीर बाधा उत्पन्न हुई है। कोविड-19 वैश्विक महामारी से पहले और उसके दौरान क्षय रोग -क्षय रोग या तपेदिक फेफड़ों का एक संक्रामक जीवाणु संक्रमण है, जो आमतौर पर हवा के जरिये फैलता है। तपेदिक के अधिकतर मामलों में कोई लक्षण नजर नहीं आते और यह संक्रामक भी नहीं होते। इससे संक्रमित करीब पांच से 10 प्रतिशत लोगों में ही तपेदिक के लक्षण दिखते हैं, जिनमें खांसी, बुखार, भूख में कमी और वजन कम होना शामिल है।

तपेदिक का इलाज न किया जाए, तो यह एक बेहद संक्रामक व खतरनाक बीमारी का रूप ले सकता है, जिससे मौत भी हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया में तपेदिक से संक्रमित मरीजों की कुल अनुमानित संख्या में वर्षों से गिरावट दर्ज की जा रही थी। सबसे कम एक करोड़ एक लाख मामले वर्ष 2020 में सामने आए थे। 2021 में इसके मामलों में मामूली बढ़ोतरी देखी गई, जब एक करोड़ पांच लाख मामले सामने आए। एक दशक से अधिक समय बाद पहली बार इसके मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। दुनियाभर में तपेदिक से होने वाली मौत के आंकड़ों में भी ऐसा ही बदलाव देखा गया। 2019 में सबसे कम अनुमानित 14 लाख लोगों ने तपेदिक के कारण दम तोड़ा। फिर 2020 में मौत का आंकड़ा बढ़कर 15 लाख और 2021 में 16 लाख हो गया।

तपेदिक की जांच बढ़ना भी 2019 के बाद से मामले बढ़ने का एक अहम कारण है। क्षय रोग एक सामाजिक बीमारी है -प्रभावी टीकों, जांच और उपचार की बदौलत तपेदिक अब एक ऐसी बीमारी है, जिस पर काबू पाया जा सकता है। दुनियाभर में लाखों लोग अब भी इस बीमारी से पीड़ित हैं। इसकी वजह चिकित्सकीय समझ की कमी और सामाजिक असमानता है। आर्थिक अवसरों तक असमान पहुंच, सीमित स्वास्थ्य देखभाल, खराब स्वच्छता, रहन-सहन की खराब स्थिति, कुपोषण तथा मधुमेह या एचआईवी जैसी बीमारियां सभी तपेदिक के बढ़ते जोखिम से जुड़ी हैं। अमेरिका में 2021 में तपेदिक के 85 प्रतिशत से अधिक मामले नस्ली व जातीय अल्पसंख्यक समूहों में सामने आए। इनमें से 71 प्रतिशत लोग वे थे, जिनका जन्म अमेरिका के बाहर हुआ था। बढ़ती असमानता के कारण मामलों में वृद्धि -भले ही दुनिया में 2020 में पुष्ट मामलों में तेजी से गिरावट देखी गई, लेकिन विशेषज्ञ चिंतित थे कि रोकथाम व उपचार के प्रयासों के प्रभावित होने से तपेदिक से संक्रमित मरीजों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। ये आशंकाएं सही साबित हुईं। अमेरिकी रोग नियंत्रण एंव रोकथाम केंद्र के साथ-साथ कई स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पुष्टि की कि वैश्विक महामारी ने तपेदिक जांच व निदान तक पहुंच को प्रभावित किया है। तपेदिक नियंत्रण गतिविधियों में रुकावट के कारण कई मामलों का पता नहीं चल पाया, क्योंकि सभी कर्मचारी, कोष, संसाधन कोविड-19 के प्रसार पर लगाम लगाने के प्रयासों में जुटे हुए थे। इसके अलावा, कोरोना वायरस संक्रमण और तपेदिक के लक्षणों के बीच समानता भी निदान में चूक का कारण बनी।

चीन के इशारे पर फ्रांस ने दिया जापान को झटका

-नोटों की एशिया में पहली चौकी बनने से रोका

पेरिस (एजेंसी)। चीनी खतरे का सामना कर रहे जापान को मित्र फ्रांस से बड़ा झटका लगा है। दरअसल, जापान ने चीन से निपटने के लिए अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो के साथ अपने रिश्ते मजबूत करना शुरू किया है। वहीं नाटो ने भी चीन को संतुलित करने के लिए जापान में अपने कार्यालय को खोलने पर सहमति जाहिर की थी। यह एशिया में नाटो की पहली चौकी होती। इस बीच अब इस योजना में नाटो के अहम सदस्य देश फ्रांस ने रोड़ा अटका दिया है। चीनी शिकायत के बाद फ्रांस ने जापान में नाटो के लाइजन ऑफिस को खोलने की योजना पर रोक लगा दी है।

फ्रांस ने यह कदम उस समय उठाया है, जब नाटो देशों की अगले सप्ताह बेहद अहम बैठक होने वाली है। पिछले कई महीने से नाटो के अधिकारी जापान में एक लाइजन ऑफिस खोलने के बारे में योजनाओं पर चर्चा कर रहे हैं। यह हिंद प्रशांत क्षेत्र में नाटो गठबंधन की पहली चौकी के रूप में काम करता। वह भी तब जब चीन ताइवान से लेकर जापान तक को डरा रहा है। पीएलए के जंगी जहाज और फाइटर जेट लगातार जापान और ताइवान के आसपास अभ्यास कर रहे हैं।

ख़बरों के मुताबिक अगले सप्ताह नाटो देशों की लिथुआनिया में वार्षिक शिखर बैठक होने जा रही है। यह सम्मेलन उस समय पर हो रहा है जब यूक्रेन और रूस में भीषण युद्ध चल रहा है। नाटो देश जहां खुलकर यूक्रेन की मदद कर रहे हैं, वहीं रूस को चीन से परोक्ष मदद मिल रही है। नाटो की इस बैठक में जापान में लाइजन ऑफिस खोलने पर फैसला हो सकता है। इस बीच नाटो के इस प्लान में फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने अड़ंगा डाल दिया है जो पिछले दिनों बीजिंग की यात्रा पर गए थे और अब ड्रैगन के साथ रिश्ते मजबूत कर रहे हैं। राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि नाटो को मूल रूप से उत्तर अटलांटिक इलाके पर फोकस करने के लिए बनाया गया था और अगर इसका भौगोलिक विस्तार होता है, तब इससे गठबंधन के प्रभाव क्षेत्र के कम होने का खतरा पैदा हो जाएगा।

फुकुशिमा संयंत्र का शोधित जल समुद्र में छोड़ने की योजना को लेकर आईएईए प्रमुख की आलोचना की गई

(एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के विपक्षी सांसदों ने क्षतिग्रस्त फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र से शोधित अपशिष्ट जल समुद्र में छोड़ने की जापान की योजना को मंजूरी देने को लेकर संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी की कड़ी निंदा की है। विपक्षी सांसदों ने ग्रॉसी से सियोल में मुलाकात की, जिस दौरान प्रदर्शनकारी बैठक स्थल के बाहर नारेबाजी कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक ग्रॉसी सरकारी अधिकारियों और आलोचकों के साथ बातचीत करने तथा खाद्य सुरक्षा के बारे में लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए सप्ताहांत में दक्षिण कोरिया पहुंचे। आईएईए ने अपशिष्ट जल समुद्र में छोड़ने की योजना पर पिछले सप्ताह अंतिम रिपोर्ट में अपना निष्कर्ष दिया था। इसमें कहा गया है कि जल को काफी हद तक शोधित करने की कोशिश की गई, लेकिन इसमें अब भी कुछ रेडियोधर्मिता है। जलअंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है और इसका पर्यावरण तथा स्वास्थ्य पर प्रभाव नगण्य होगा। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों के साथ अपनी बैठक में ग्रॉसी ने कहा कि जापान की योजनाओं पर आईएईए की समीक्षा ''पारदर्शी'' और ''वैज्ञानिक'' शोध पर आधारित थी। उन्होंने जापान की योजनाएं वास्तविकता में कैसे काम करेंगी इस बात को लेकर उत्पन्न चिंताओं को स्वीकार किया और कहा कि आईएईए फुकुशिमा में एक स्थायी कार्यालय स्थापित करेगा, ताकि अगले तीन दशकों तक वह अपशिष्ट जल छोड़े जाने की योजना पर करीबी नजर रख पाए। सांसदों ने आईएईए की समीक्षा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इसमें अपशिष्ट जल छोड़े जाने के दीर्घकालिक पर्यावरणीय व स्वास्थ्य प्रभावों की उपेक्षा की गई है। उन्होंने आगाह किया कि यह अन्य देशों को समुद्र में परमाणु अपशिष्ट का निपटारा करने के लिए प्रोत्साहित करने की एक खराब उदाहरण स्थापित कर सकता है। पार्टी ने जापान के साथ संबंध सुधारने की कोशिश में लोगों के स्वास्थ्य को खतरे में डालने के लिए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल की सरकार की भी आलोचना की। आईएईए अधिकारियों ने 2022 की शुरुआत से जापान की कई यात्राएं की हैं, उन्होंने लगातार यह स्पष्ट किया है कि अपशिष्ट जल समुद्र में छोड़ने के बारे में कोई फैसला जापान सरकार ही लेगी।

टोरंटो में खालिस्तानी व भारतीय आमने-सामने, दूतावास पर प्रदर्शन जारी

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के टोरंटो में खालिस्तानी और भारतीय आमने-सामने आ गए हैं। यहां भारतीय वाणिज्यिक दूतावास के बाहर खालिस्तान समर्थक और भारतीय लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। खालिस्तान समर्थकों ने अपने हाथ में पीला झंडा ले रखा था। वहीं भारतीय तिरंगा लहरा रहे थे। यह प्रदर्शन तब हो रहा है जब खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। निज्जर की हत्या का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। टोरंटो में भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने वाले धमकी भरे पोस्टर देखने को मिले हैं। एक और जानकारी यह भी है कि ब्रैंपटन में भारत माता मंदिर के बाहर युद्ध क्षेत्र शीर्षक वाला पोस्टर शुक्रवार को लगाया गया था। शनिवार को प्रदर्शन आतंकी निज्जर के नाम पर किया गया था, जो एक फ्लॉप शो रहा क्योंकि इसमें बेहद कम लोग शामिल हुए। गौरतलब है कि 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक पार्किंग में निज्जर की हत्या कर दी गई थी। इस प्रदर्शन के पीछे प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस

है। एसएफजे आतंकी निज्जर की हत्या के लिए भारतीय एजेंसी को जिम्मेदार ठहरा रहा है।

वहीं लंदन में भी भारतीय उच्चायोग के बाहर शनिवार को खालिस्तान समर्थकों के विरोध प्रदर्शन हुआ जिसमें बहुत कम लोग शामिल हुए। रैली में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी और बर्मिंघम में भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. शशांक विक्रम की तस्वीरों के साथ हिंसा के लिए उकसाने वाले विवादास्पद पोस्टरों का इस्तेमाल किया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे,प्रदर्शन काफी जल्द खत्म हो गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के प्रवक्ता ने प्रदर्शन से पहले कहा था कि उचित पुलिस व्यवस्था की जाएगी।

ब्रिटेन यात्रा के दौरान यूक्रेन और पर्यावरण जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे बाइडन

लंदन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपनी आगामी ब्रिटेन यात्रा के दौरान महाराजा चार्ल्स तृतीय के साथ पर्यावरण के मुद्दे पर जबकि प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ प्रमुख रूप से यूक्रेन में जारी युद्ध को लेकर चर्चा करेंगे। बाइडन लिथुआनिया में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रविवार को रवाना होंगे। इससे पहले वह लंदन जाएंगे। बाइडन सोमवार को 10 डाउनिंग स्ट्रीट में सुनक के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे, इसके बाद वह विंडसर कैसल में पहली बार महाराजा चार्ल्स से मुलाकात करेंगे। पिछले साल सितंबर में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के बाद बाइडन और चार्ल्स तृतीय के बीच यह पहली मुलाकात होगी। बाइडन का ब्रिटेन का यह राजकीय दौरा नहीं है। लिथुआनिया के विलनियस में नाटो के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने से पहले बाइडन और सुनक यूक्रेन को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे।

विमान में आग लगने से छह यात्रियों की मौत, खेत में गिरा मलबा

मुरिएटा (एजेंसी)। दक्षिण कैलिफोर्निया में एक विमान में आग लगने से उसमें सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार दुर्घटना लॉस एंजिलिस और सैन डिएगो के बीच कैलिफोर्निया के मुरिएटा शहर में हवाई अड्डे के निकट हुई। मीडिया में आई खबर के अनुसार विमान लास वेगास में हैरी रीड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था। संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार यह सेसना सी550 वाणिज्यिक विमान था। रिवरसाइड काउंटी अग्निशमन विभाग के अनुसार, अधिकारियों को तड़के सवा 4 बजे के बाद जलता हुआ विमान मिला, जिसके तुरंत बाद विमान में सवार छह लोगों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। हालांकि दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। दुर्घटना को लेकर राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के एविएशन इन्वेस्टिगेटर इलियट सिम्पसन ने कहा कि निजी विमान छोटे हवाई अड्डे पर रनवे से 300 फीट की दूरी पर उस वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जब क्षेत्र में समुद्री मौसम की घटना के कारण लैंडिंग की कोशिश कर रहा था।

हवाईअड्डे पर लैंडिंग के लिए स्थितियाँ न्यूनतम मानकों के अनुरूप थीं। सिम्पसन ने कहा कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उसके पिछले हिस्से को छोड़कर बाकी सभी जगह आग लग गई। स्थानीय मीडिया के वीडियो में हवाई क्षेत्र से सड़क के पार एक मैदान के काले हिस्से में एक छोटे विमान के आकार में जला हुआ मलबा दिखाया गया है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के रडार डेटा से पता चलता है कि उस समय केवल एक बिजनेस जेट लॉस वेगास से फ्रेंच वैली के लिए यात्रा कर रहा था। उतरने से पहले उस विमान ने मैदान के पास एक बार चक्कर लगाया। दुर्घटना के बाद अधिकारियों ने एक खेत में एक विमान को पूरी तरह से आग की लपटों में घिरा हुआ पाया और उसमें सवार छह लोगों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। अब राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड विमान दुर्घटना की जांच जारी रखेगा और कारणों का पता लगाएगा।

कांग्रेस के द्वारा बैकुंठपुर विधानसभा में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया...

प्रशिक्षण में कुर्सियां रह गई खाली...ऐसे में कैसे मिलेगी जीत ?

बूथ स्तर के प्रशिक्षण में नहीं पहुंच पाए पदाधिकारी व बूथ के सच्चे सिपाही...प्रशिक्षण देने वाले भी हुए शर्मिंदा...कहा ऐसा विधानसभा कहीं नहीं देखा

» बैकुंठपुर विधानसभा में 228 बूथ पर कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर में पहले सेशन में 35 दूसरे सेशन में सिर्फ 15 ही पहुंचे प्रशिक्षण लेने

» प्रशिक्षण शिविर में पहुंचने से विधायक ने लोगों को रोकाःसूत्र

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर, 09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। आगामी विधानसभा चुनाव में कुछ महीने ही बचे हुए हैं जिसे लेकर कांग्रेस हर जिले में और प्रत्येक विधानसभा में प्रशिक्षण शिविर आयोजन कर रही है, जिससे सरकार की योजनाएं लोगों तक पहुंच सके और बूथ मजबूत हो सके और चुनाव में पार्टी को फायदा मिल सके, लेकिन कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में जो हुआ वह प्रशिक्षण देने वाले लोग भी नहीं सोचकर आए थे,उन्हें भी यह कहना पड़ गया कि इस विधानसभा जैसा विधानसभा हमने कहीं नहीं देखा, 6 जुलाई को बैकुंठपुर के राजीव भवन में कांग्रेस का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, पर इस प्रशिक्षण शिविर में जहां कोरिया जिले में सेक्टर प्रभारी से लेकर ब्लॉक अध्यक्ष व बूथ स्तर के सिपाहियों को पहुंचना था पर पदाधिकारी भी पूरे नहीं पहुंचे और ना ही बूथ स्तर के सच्चे सिपाही पहुंचे कुर्सियां रह गई खाली, पहले सेशन में 35 लोग तो दूसरे सेशन में सिर्फ 15 लोग ही लिए प्रशिक्षण, अब ऐसे में सवाल यह उत्पन्न होता है क्या इतने लोगों के प्रशिक्षण लेने से कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस जीत दर्ज कर पाएगी? जहां प्रशिक्षण में बूथ स्तर से भी एक एक आदमी को जोड़ा जाता तो 228 कांग्रेसी प्रशिक्षण में शामिल हो सकते थे, पर ऐसा हुआ नहीं, क्योंकि कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में 228 बूथ है जिसे मजबूत करना कांग्रेस के लिए अत्यंत जरूरी है जिसके लिए वह प्रशिक्षण भी करा रहे हैं पर कांग्रेसियों में प्रशिक्षण लेने की दिलचस्पी काफी कम दिख रही है यह भी एक बड़ा सवाल है? प्रशिक्षण शिविर हर वार्ड से 1 बुजुर्ग एक महिला एक युवा सेक्टर प्रभारी जोन प्रभारी और ब्लॉक अध्यक्ष 10-10 का कमेटी बनाना है और उन्हे चुनाव में बूथ की जिम्मेदारी देना है, लेकिन बैकुंठपुर विधानसभा में प्रशिक्षण कार्यक्रम में जो कुछ देखने को मिला उसको देखकर लगता नहीं बैकुंठपुर में कांग्रेस पार्टी दुबारा वापसी के प्रयास में है। बैकुंठपुर में प्रशिक्षण के दौरान जितने कम लोग उपस्थित हुए, उन्हे देखकर यही साबित हुआ की प्रशिक्षण को औपचारिक रूप से निपटाया गया और किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया स्वयं विधायक ने भी नहीं।

क्या था पार्टी का निर्देश किस-किस को होना था प्रशिक्षण में शामिल ?

प्रशिक्षण में पी सी सी मेंबर, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, जिला जनपद पंचायत एवम नगरीय निकाय के अध्यक्ष उपाध्यक्ष, मंडी समिति के अध्यक्ष, सहकारी समिति के अध्यक्ष की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी, वहीं इन सभी की उपस्थिति के लिए क्षेत्रीय विधायक, पूर्व प्रत्याशी, जिला प्रभारी पदाधिकारी सहित ब्लॉक अध्यक्षों को भी निर्देशित किया गया था की आपसी समन्वय स्थापित कर स्थान का चयन कर सभी की उपस्थिति अनिवार्य रूप से कराने की वह कार्यवाही करें। लेकिन बैकुंठपुर विधानसभा प्रशिक्षण में आपसी समन्वय कहीं नजर नहीं आया। जो आए वह प्रशिक्षण प्राप्त किए और जो अपेक्षित थे और नहीं आए उन्हे लाने कोई समन्वय आपसी स्थापित नहीं किया गया और प्रशिक्षण पूरी तरह औपचारिकता बनकर रह गई।

विधायक ने प्रशिक्षण में जाने से कुछ को रोकाःसूत्र

कांग्रेस पार्टी प्रदेश में दोबारा सत्ता वापसी के लिए प्रयासरत है और वह प्रत्येक विधानसभा में इसके लिए कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना चाहती है और बुथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करना चाहती है लेकिन वहीं कुछ विधायक पार्टी के इस प्रयास में पार्टी का ही साथ नहीं दे रहें हैं और अपनी ही धुन में वह अपने अनुसार पार्टी को चलाना चाहते हैं, यह भी खबरें सामने आ रही हैं, ऐसा ही मामला बैकुंठपुर विधानसभा में सामने आया है जहां कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं को स्वयं विधायक ने आने से रोका ऐसा सूत्रों का कहना है। बताया जा रहा है की विधायक प्रशिक्षण में उसे ही शामिल होने देना चाहती थीं जो उनके खास समर्थक हैं, और इसी प्रयास में उन्होंने कुछ को प्रशिक्षण में शामिल होने नहीं दिया जो हैं तो पार्टी के कार्यकर्ता लेकिन वह विधायक से दूरी बनाकर चलते हैं।

बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी में दिख रहा है आपसी सामंजस्य का अभाव

विधानसभा चुनाव अब बिलकुल नजदीक हैं और अब सभी दल चुनावी तैयारी में जुटे हुए हैं वहीं यदि सत्ताधारी दल कांग्रेस पार्टी की बात की जाए तो बैकुंठपुर विधानसभा में पार्टी में आपसी सामंजस्य का आभाव नजर आ रहा है। एक तरफ विधायक अकेले चलो की नीति के साथ आगे बढ़ रही हैं और पार्टी के वरिष्ठ और कर्मठ कार्यकर्ताओं को वह किनारे लगाने की कोशिश में लगी हुई हैं वहीं कुछ अन्य दावेदार टिकट के ऐसे भी हैं जो पार्टी के वरिष्ठ और कर्मठ कार्यकर्ताओं को एकजुट करने में लगे हुए हैं। कुलमिलाकर आपसी दूरी लगातार नजर आ रही है।

बैकुंठपुर विधानसभा में पार्टी से नहीं विधायक से दुखी हैं कांग्रेस पार्टी के लोग

बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के लोग पार्टी से नहीं बल्कि विधायक से दुखी हैं।लगातार विधायक से पार्टी के ही लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है और चुनाव में ऐन वक्त यह पार्टी के लिए भी सही नहीं है और न ही विधायक के लिए लेकिन फिर भी लोग दूर होते चले जा रहें हैं और पार्टी लगातार विधानसभा में कमजोर होती जा रही है और आपसी गुटबाजी में नजर आ रही है। विधायक सभी को अपनी मंशानुरूप चलाने की कोशिश में पार्टी को कमजोर कर रही हैं यह भी कहा जा सकता है।

विधायक अपनी ही पार्टी के लोगों को कर रहीं हैं खुद से दूर, यह व्यवहार उन्हीं के लिए हो सकता है नुकसानदायक

विधायक अपनी ही पार्टी के लोगों को खुद से दूर करती जा रही हैं,विधायक जैसा पार्टी के ही लोगों के द्वारा बताया जाता है पार्टी में खुद की बातें और निर्णय को ही सर्वोपरि रखने की मंशा रखती हैं और किसी भी अन्य को अपने अनुसार कुछ भी निर्णय लेने की स्वतंत्रता नहीं देना चाहती हैं और इसीलिए उनकी दूरी अपने ही दल के लोगों से बढ़ती जा रही है वहीं यदि यही व्यवहार विधायक का कायम रहा तो विधायक के लिए उनका यह व्यवहार नुकसानदायक साबित होगा जिसमे कोई संदेह नहीं है।

विधायक कार्यकर्ताओं पर तंज कसने से भी नहीं आतीं बाज,विधायक के साबित होगा नुकसानदायक

विधायक कार्यकर्ताओं पर तंज कसने से भी बाज नहीं आती हैं। किसी भी कार्यकर्ता को कुछ भी तंज कसने की उनकी आदत अब पार्टी के लोगों के लिए अप्रिय जैसा लगने लगा है। विधायक की मंशा रहती है की कार्यकर्ता केवल उनके अनुसार ही पार्टी के लिए काम करें और उनके निर्देश के विपरीत पार्टी हित में भी कोई काम न करें और यह कहीं न कहीं उनके लिए चुनाव में सही साबित नहीं होने जा रहा है।

निज सचिव व अपने प्रतिनिधि के अलावा किसी को नहीं है निर्णय लेने की छूट,लगता है वही दिलाएंगे उन्हें जीत

विधायक अपने निज सचिव और प्रतिनिधि के अलावा किसी को निर्णय लेने की छूट प्रदान नहीं करती हैं और अब कार्यकर्ता भी कहने लगे हैं की वही उन्हें जीत दिलाएंगे। पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं के लिए पार्टी में ही काम करना मुस्किल है और विधायक से भी उनकी व्यक्तिगत मुलाकात बिना निज सचिव की उपस्थिति बगैर नहीं होती और निज सचिव के सामने ही उन्हें अपनी व्यथा रखनी होती है। अब चर्चा यह भी है की विधायक निज सचिव और प्रतिनिधि पर ही केवल भरोसा करती हैं और पार्टी के अन्य लोगों पर वह अविश्वास करती हैं।

जिले में हो रहे बारिश की वजह से कई नदियां उफान पर

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले में हो रहे के बारिश की वजह से कई नदियां उफान पर हैं, वहीं आज सुबह भैयाथान ब्लाक के बड़सरा - करौंदामुड़ा मार्ग पर बना पुल नदी के तेज बहाव की वजह से बह गया,, यह पुल लगभग 25 वर्ष पहले बनाया गया था, इस पुल से लगभग दर्जनभर से ज्यादा गांव जुड़े हैं, पुल के बह जाने की वजह से अब ग्रामीणों को कई किलोमीटर लंबी दूरी तय कर ब्लॉक मुख्यालय जाना पड़ेगा,, वहीं स्थानीय लोग इस पुल के मरम्मत की मांग कर रहे हैं,, यह पुल बड़सरा सहित दर्जनों गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ता था, पुल के बह जाने की वजह से बड़ी संख्या में ग्रामीण प्रभावित हो रहे हैं,, राहत की बात यह रही कि जब यह पुल बहा तो इस पुल को कोई भी पार नहीं कर रहा था, नहीं तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था,,वही सूरजपुर में लगातार हो रही बारिश की वजह से जिले की कई नदियां उफान पर हैं, जहां एक और बड़सरा इलाके में पुल बह गया तो वहीं मां बागेश्वरी का कुदरगढ़ धाम के रास्ते में स्थित पुल के ऊपर से पानी बह रहा है, लोग जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे हैं, नदी में बाढ़ आने की वजह से दर्जनों गांव से संपर्क कट गया है,

महंगाई से राहत दिलाना होनी चाहिए केंद्र की प्राथमिकताःनागेश्वर यादव

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर, 09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। बढ़ती महंगाई और आम जनता को हो रही परेशानियों को लेकर युवा कांग्रेस जिला महासचिव नागेश्वर यादव ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है,उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई से आमजन का जीना मुश्किल हो गया हैं,महंगाई से राहत ना देकर अपना नया जुमला परोसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ आए थे,उन्होंने कहा कि आम आदमी का पेट राशन, सब्जी और दूध से भरता है, जो आज बहुत महंगा है,और जनता की पहुंच से बाहर हो रहा है।केंद्र सरकार ने जब से दूध दही आटा एवं अन्य चीजों पर जीएसटी लगाया है,तब से कीमतें और बढ़ रही है। पेट्रोल डीजल के दाम अब तक के इतिहास में सबसे महंगा है,जबकि क्रूड ऑयल अभी सस्ता है।पेट्रोल डीजल की बढ़ी कीमतों से आम उपभोक्ता वस्तुओं के दाम भी प्रभावित हो रहे हैं,कच्चे तेल के दामों में 40 प्रतिशत कमी का लाभ सीधे जनता को मिलना चाहिए।आम आदमी जीवन प्रयत्न विभिन्न तरह के टैक्स भरता है, और जीवन के अंतिम समय में सरकार की सुविधाओं की आशा करता है पर केंद्र की सरकार इस सुविधा को देने में विफल रही है। पूर्व की सरकारों ने रेलवे यात्रा में 40 व 60 प्रतिशत की रियायत दी थी,जिसे केंद्र की मोदी सरकार ने छीन लिया है। आज रेलवे किराया भी लगातार बढ़ रहा है, नागेश्वर ने कहा पीएम श्री मोदी अगर सच में छत्तीसगढ़ के जनता को राहत देना चाहते हैं,युवाओं छात्रों के लिए कुछ करना चाहते हैं, तो इस महंगाई को लगाम लगाना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए, वरना उनके जुमलो को जनता जानती है,आज भी युवा अपने दो करोड़ नौकरी का इंतजार में है जो अब तक 9 सालों में 18 करोड़ हो चुकी है, मोदी सरकार के खिलाफ जनता का आक्रोश बहुत बढ़ चुका है, और आने वाले चुनाव में मतदाता कांग्रेस के पक्ष में मतदान करेगी।

गौ हत्या के दोषियों पर कार्यवाही नहीं होने से सर्व हिंदू समाज किया धरना प्रदर्शन

-संवाददाता-

कोरबा, 09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।सर्व हिंदू समाज और सनातन संघर्ष समिति की अगुवाई में सैकड़ों लोगों ने कोरबा के नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौराहे पर गौ हत्या को लेकर किया धरना प्रदर्शन । पिछले दिनों मोतीसागरपारा और इमली डुग्गू क्षेत्र में प्रकाश में आई घटना को लेकर नाराज लोगों ने दोषियों पर कार्यवाही नही किए जाने को लेकर हैरानी जताते हुए धरना प्रदर्शन करते हुए दोषियों पर कठोर कार्यवाही करने की प्रशासन एवं पुलिस से मांग की गई साथ ही गौ हत्या बंद हो और गौ हत्यारों पर कठोर कार्यवाही करो, के नारे भी लगाए गए। इस दौरान नेताजी चौराहे पर 02 घंटे के सांकेतिक लेकिन तीव्र प्रतिक्रिया स्वरूप दिए गए धरना प्रदर्शन में युवाओं और मातृशक्ति की उपस्थिति रही। धरना के शुरुआत में विषय की प्रस्तावना पढ़ी गई और कोरबा के ज्वलंत विषय की तरफ आम नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया गया। उनकी जानकारी में यह बात लाई गई की जो हिंदू समाज गौ माता के प्रति विशेष सम्मान और आदर भाव रखता है उसका आखिर क्या हश्र हो रहा ।

वक्ताओं ने चिंता जताई की शांतिप्रिय कोरबा में आखिर एकाएक गौ हत्या और गौ मांस की बिक्री करने का साहस लोगों के भीतर किस तरीके से आ गया। पिछले दिनों कोरबा के मोती सागरपारा और इमली डुग्गू क्षेत्र में जिस तरह के मामले सामने आए, वह बेहद हैरान करने वाले रहे। वक्ताओं का कहना था कि जिस छत्तीसगढ़ में सरकार गौ संवर्धन और संरक्षण के दावे करते नहीं थक रही वहीं इस तरह के कारनामों से कई प्रश्न उठ खड़े हुए है ढ्ढ उन्होंने आशंका जताई इस तरह के घिनौने कार्य में छोटे व्यक्ति की आड़ लेकर कोई बड़ा गिरोह इस घृणास्पद खेल में शामिल है। इसलिए इस पूरे घृणास्पद खेल की बारीकी से जांच हो और गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही किया जाए।

बारिश में स्कूलों की टपकती छत खोल रही व्यवस्था की पोल

बच्चों की संख्या के आगे स्कूल में अव्यवस्था का आलम...अव्यवस्था के भीच बच्चे शासकीय स्कूल में पढ़ने को मजबूर

» बारिश से पहले स्कूलों का मरम्मत कार्य नहीं हुआ पूरा और जहां हुआ वह भी चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर,09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कोरिया जिले सहित पूरे प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के तय शेड्यूल के अनुसार 26 जून से नए सत्र की पढ़ाई स्कूल खुलने के साथ ही शुरू हो चुकी है। राज्य में यही मानसून की आमद का भी समय है। ऐसे में शहर से अंचल तक कई स्कूल ऐसे है जहां जर्जर भवनों वाली छतों से टपकते पानी के बीच देश का भविष्य कहे जाने वाले बच्चों को जान हथेली पर लेकर कमरों के अभाव के कारण बैठना पढ़ रहा है । मामला एक प्राथमिक शाला है जहा इस वर्ष बच्चो की दर्ज संख्या करीब 50 हैं व दो कमरे है एक अतिरिक्त कमरा बना जो पानी टंकी लगने से टपक रहा व खिड़की दरवाजा जर्जर है,वहीं दूसरा अतिरिक्त कमरा स्वीकृति हुआ किन्तु निर्माण एजेंसी द्वारा डोर लेबल के बाद कार्य ही नही कराया गया जिससे लगे खिड़की दरवाजे सड़ गये किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों ने इस और ध्यान नही दिया जिससे इस वर्ष भी स्कूल का मरम्मत नही हो सका खैर यह तो एक स्कूल का मामला है यदि सही जांच हो तो कई स्कूलों में यह देखने को मिल सकता है जिस कारण बच्चे अव्यवस्था के बीच शासकीय स्कूल में पढ़ने को मजबूर हैं।

गौरतलब हैं कि कई सरकारी स्कूलों में समुचित सुविधाएं नहीं होने के कारण स्कूल सुचारू रूप से नहीं चल पा रहे हैं। वहीं कई बार अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। जिससे बच्चों से लेकर शिक्षकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । ऐसा ही एक मामला कोरिया जिले के जनपद पंचायत बैकुंठपुर के शासकीय प्राथमिक शाला ग्राम पंचायत चिरगुड़ा में देखने को मिल रहा है, जहां छमता से ज्यादा बच्चे लिए गए हैं, लेकिन छात्रों के बैठने के लिए उचित भवन नहीं है। शिक्षकों के साथ छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। वहीं इस पूरे मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को होने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है । जिसके कारण स्थिति जस की तस बनी हुई है । विद्यालय में सुविधाओं के अभाव के कारण विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।50 छात्रों वाले इस स्कूल में छात्र एडमिशन लेने आते हैं, लेकिन कमरों की कमी के कारण प्रबंधन उन्हें दाखिला तो दे रहा किन्तु बैठक व्यवस्था कम होने को लेकर चिंतित हैं।

सत्र शुरू होने से पहले भवनों की समीक्षा सिर्फ होती है...दुरुस्त करने की कोशिश नहीं होती

हर साल सत्र शुरू होने से पहले भवनों की समीक्षा होती है लेकिन दुरुस्त करने की कोशिश नहीं होती। ये तो रही पुराने भवनों की बात लेकिन सरकार की निर्माण एजेंसी पीडब्लूडी के मार्फत तीन साल में लाखों रुपए से बने भवन चंद महीनों में दरारों से पट रहे हैं। ऐसे में इनकी उपयोगिता भी साबित नहीं हो पा रही है। जिले में सरकारी स्कूलों में भवन निर्माण की स्थिति बेहद खराब है। ऐसे हालात तब हैं जब यह काम तीन सरकारी विभाग करवा रहे हैं। 10 लाख रुपए से कम लागत वाले निर्माण के काम पंचायत स्तर पर उससे अधिक के काम पीडब्लूडी व ट्रायवल विभाग करवाता है। वर्तमान में स्कूल भवन निर्माण को लेकर जो तस्वीर सामने आई है वह लापरवाही और अनियमितता की कहानी कहती है।

वर्षों से बनी हैं समस्याएं

कोरिया जिले में इस वर्ष 158 जर्जर स्कूलों की स्थिति में सुधार करने करीब पांच करोड़ के लगभग राशि भी स्वीकृति हुई किन्तु निर्माण एजेंसी के ठेकेदार की लापरवाही से स्कूल खुलने की तिथि तक सभी स्कूल मरम्मत नही हो पाए आज भी जिले में करीब 70 स्कूलों के मरम्मत का कार्य पूर्ण होने का दावा तो किया जा रहा किन्तु शिक्षा विभाग के बेबसाइड में एक भी स्कूल पूर्ण नही बताया जा रहा जब कि जिले में अन्य स्कूलों की भी मरम्मत की जरूरत है किंतु अधिकारी के मॉनिटरिंग के अभाव में वे स्वीकृति नही हो सके जिससे सालों पुरानी समस्याओं के साथ अब 26 जून से शासकीय स्कूलों के पट खुल गये । छात्र-छात्राओं के नए क्लास में जाने के बाद भी वही पुरानी समस्याएं उनके लिए चुनौती बनी रहेंगी। शिक्षक व भवन की मांग करने छात्र-छात्राएं कलेक्टोरेट व अधिकारियों के दफ्तरों का चक्कर काटेंगे। शिक्षक व भवन की कमी बड़ी समस्या है। इसके बावजूद शासन स्कूलों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है। स्कूलों की समस्याओं को लेकर ग्रामीण, पालक, छात्र-छात्राएं परेशान हैं। इसका खामियाजा परीक्षा के समय छात्रों को भुगतना पड़ता है।

क्या बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस के दो दिग्गज एक नाम पर होंगे सहमत ?

विधायक दावेदारों की समीकरण डिप्टी सीएम बनते ही बदल गए...बैकुंठपुर विधानसभा से दावेदारों की सूची में शुक्ला दिखने लगे आगे

- कांग्रेस विधानसभा क्रमांक 3 में तिवारी व शुक्ला के साथ जाना चाहेगी या फिर मौजूदा विधायक पर ही दांव खेलेगी ?
- विधानसभा चुनाव बैकुंठपुर विधानसभा में तिवारी और शुक्ला की भूमिका अहम होगी
- नए चेहरे में अशोक जायसवाल भी कांग्रेस की तरफ से विधानसभा में प्रत्याशी बतौर हो सकते हैं एक विकल्प
- तिवारी व शुक्ला की एक साथ फोटो हो रही वायरल,निकाले जा रहें हैं कई मायने

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर,09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में सरगुजा संभाग से टी एस सिंह देव के डिप्टी सीएम बनते सारे समीकरण बदल गए, आगामी विधानसभा चुनाव में अब कयासों पर ही भरोसा रह गया, कयास अब जो लगाए जा रहे हैं वह टी एस सिंह देव के बढ़ते कद को देखते हुए लगाए जा रहे हैं, डिप्टी सीएम के अलावा यह भी बात सामने आ रही है कि 45 सीटों का फैसला भी बाबा ही करेंगे, अब ऐसे में बाबा के हाथों में 45 सीट के विधायक प्रत्याशी कौन होंगे यह बड़ा सवाल है? कशमकश की स्थिति है कयास पर कयास लगाए जा रहे हैं और इस कयास में हम बैकुंठपुर विधानसभा की बात करें तो कयासों के उम्मीद में योगेश शुक्ला विधायक प्रत्याशी के प्रबल दावेदार की सूची में ऊपर चढ़ गए, अब यह सूची फाइनल होते तक यह ऊपर रहेंगे या फिर फिर से कुछ तोड़ मरोड़ होगा यह तो समय के गर्त की बात है, पर उम्मीद यही लगाई जा रही है कि बाबा वर्तमान विधायक पर दावा नहीं खेलेंगे, क्योंकि वह अपने 45 सीटों को पूरी तरह से जीतने का प्रयास करेंगे 45 सीटों में उन्हें जीत मिले यह उनका प्रथम प्रयास होगा, इसलिए वह 45 के 45 बेस्ट प्रत्याशी ही रखेंगे ताकि हार का प्रतिशत कम हो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बने और जैसा अंदर खाने की बात हो रही है यदि बाबा की सीट ज्यादा आए तो बाबा सरगुजा के सीएम भी हो सकते हैं।

क्या दो दिग्गज एक नाम पर सहमत होकर लड़ेंगे चुनाव ?

इस समय कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में एक समान चर्चा सी होने लगी है वह चर्चा यह है यदि शुक्ला जी को विधायक प्रत्याशी चुना जाएगा तो क्या तिवारी जी एक होकर लड़ेंगे चुनाव या फिर शुरू होगा भितरघात, वैसे देखा जाए तो यह दोनों दिग्गज नेता पहचान के मोहताज नहीं है दोनों में अपार काबिलियत है और दोनों यदि एक होकर लड़ते हैं तो जीत भी निश्चित है ऐसा माना जा रहा है, यदि अभी की परिस्थितियों पर गौर किया जाए तो कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में राह आसान नहीं दिख रही है बैकुंठपुर विधानसभा में आगामी विधानसभा चुनाव में कई दावेदार अभी से अपनी अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर रहें हैं और जिनमे से दो ऐसे भी दावेदार हैं जो अब एकबार एकसाथ नजर आ रहे हैं और उनकी एक साथ आई तस्वीर के अब कई मायने निकाले जा रहें हैं और यह भी सवाल उठ रहा है की क्या विधानसभा के

यह दो कद्दावर नेता क्या एक दूसरे के नाम पर आपस में सहमत होने जा रहें हैं? क्या दोनो एक दूसरे के नाम पर आम सहमति देने की तैयारी में हैं। जिन दो नेताओं की तस्वीर एकसाथ वायरल हो रही है उसमे एक हैं वेदांती तिवारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष और एक हैं योगेश शुक्ला जो विधानसभा में कद्दावर नेता माने जाते जाते हैं। वैसे तिवारी और शुक्ला की तस्वीर जबसे एकसाथ वायरल हुई है विधानसभा बैकुंठपुर में चर्चाओं का बाजार गर्म है और लोग यह भी चर्चा करते सुने जा रहें हैं की दोनो यदि एक होते हैं तो किसी एक के लिए यह दोनों मिलकर जीत सुनिश्चित कर सकते हैं क्योंकि दोनो का ही अपना अपना अच्छा जनाधार है।

स्वच्छ चेहरा पर अशोक जायसवाल भी बेहतर विकल्प

इस बार कांग्रेस को चेहरा जीत के लिए बदलना होगा और ऐसे चेहरे पर दांव खेलना होगा जो जनता के लिए स्वीकार हो, क्योंकि कांग्रेस ने लगभग 5 सालों में अपनी घोषणा व योजनाओं के तहत लोगों को साधने का प्रयास किया है पर जनता में कांग्रेस की नाराजगी तो नहीं है पर जीते हुए विधायकों से नाराजगी इस समय खूब है, जिस कारण कांग्रेस की छवि स्थानीय स्तर पर खराब हुई है, और छवि खराब करने के लिए पार्टी नहीं पार्टी की विधायक जिम्मेदार है, यह किसी से छुपा नहीं है, अब ऐसे में आगामी विधानसभा को लेकर स्वच्छ चेहरा लाना काफी जरूरी हो गया है, ऐसे में बैकुंठपुर विधानसभा के लिए अशोक जायसवाल का नाम भी एक विकल्प तौर पर कांग्रेस के पास मौजूद है, अशोक जयसवाल भी कई जगहों पर कांग्रेस के लिए सटीक उम्मीदवार हो सकते हैं, ऐसा आज की विचारधारा में देखा या सुना जा रहा है, क्योंकि यह भी जनाधार वाले नेता बनते जा रहे हैं और इनके 25 वीं वर्षगांठ में इनका जनाधार भी खूब देखने को मिला था। विधायक प्रत्याशी के लिए यह चेहरा ओबीसी चेहरा है और राजनीतिक दृष्टिकोण स्वच्छ माना जाता है, शिक्षित वर्ग से भी आते हैं और सम्मान नजरिया रखते हैं यही कारण है कि इनसे लोगों का जुड़ाव भी रहता है। कांग्रेस के प्रति सच्ची श्रद्धा है और सच्ची श्रद्धा के साथ कांग्रेस के लिए काम करते हैं।

चौथे नंबर पर आते हैं अनिल जायसवाल

विकल्प कि यदि बात की जाए तो कांग्रेस के पास एक और विकल्प है वह है पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल का यह भी इस समय काफी सक्रिय राजनीति कर रहे हैं और जनता के बीच अपने जुड़ाव को साबित कर रहे हैं और उनका प्रयास है की टिकट के दावेदारों में उनका भी नाम जुड़ जाए, इस वजह से वह प्रयासरत हैं और तरह-तरह से जनता के पास पहुंचकर योजनाओं का बखान कर रहे हैं, और अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिना रहे हैं, ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां पर वह नहीं पहुंच सके हर पंचायत के हर बाजार तक उनका दौरा हो चुका है, और आगामी समय में वह और भी दौरे को बढ़ा रहे हैं अब टिकट मिलना किस्मत की गर्त में है और यह उसी के भरोसे चल रहे हैं।

कांग्रेस के पास विधायक प्रत्याशियों के विकल्प की कोई कमी नहीं पर एक को फाईनल करना बड़ी चुनौती

कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस के पास दिग्गज प्रत्याशियों की कमी नहीं है, एक नहीं 5 दिग्गज प्रत्याशी और सब एक से एक धुरंधर और सभी जनता से सीधे सरोकार रखते हैं, जमीनी नेता है और स्थानीय स्तर पर पकड़ भी ठीक ऐसे में यदि इन नामों की सूची पर गौर किया जाए तो वेदांती तिवारी, यवत कुमार सिंह, योगेश शुक्ला, अशोक जायसवाल, अनिल जायसवाल यह पांच ऐसे नाम है जो किसी परिचय के मोहताज नहीं है, ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जो इन्हें संगठन में या फिर अपने विधानसभा में ना पहचानता हो, इसमें से दो प्रत्याशी समान वर्ग से आते हैं, एक आदिवासी वर्ग से आते हैं, तो 2 ओबीसी वर्ग से आते हैं, समाजिक पकड़ पर भी यह पांचो की उपलब्धि सामान्य है यह नहीं कहा जा सकता कि समाज में इनका विरोध है, इतनी बड़ी विधायक प्रत्याशियों की लिस्ट भाजपा में भी नहीं है, भाजपा में 1 से 2 विकल्प ही बैकुंठपुर विधानसभा के लिए माने जा रहे हैं पर यह कांग्रेस के लिए गर्व की बात है कि बैकुंठपुर विधानसभा में उनके पास एक नहीं पांच अच्छे धुरंधर प्रत्याशी मौजूद है।

पचीरा स्कूल के अतिरिक्त कक्ष के निर्माण में मनमानी की शिकायत

-संवाददाता-

सूरजपुर, 09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत पचीरा स्थित शासकीय प्राथमिक पाठशाला परिसर में किए जा रहे अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य में गुणवत्ता हिननिर्माण सामग्री का उपयोग किए जाने की शिकायत ग्रामीणों ने करते हुए निर्माण कार्य की जांच की मांग की है बता दें कि शासकीय प्राथमिक पाठशाला पचीरा के ग्राम पंचायत प्रशासन द्वारा विधायक मद से करीब ₹900000 लाख रुपए लागत के अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कराया जा रहा है ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंड के अनुरूप निर्माण सामग्री का प्रयोग नहीं किया जा रहा है आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता हिन निर्माण सामग्रियों का उपयोग किए जाने के साथ की जुड़ाई कार्य की लिए तैयार किए जाने वाले मसाला में निर्धारित मात्रा से अधिक बालू का प्रयोग किया जा रहा है जिसमें पलस्तर करने के बाद भी झड़ जा रहा है वही निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंडों को अनदेखी करने का आरोप लगाया गया वही ग्रामीणों ने सूरजपुर कलेक्टर से कार्य की निप क्षजांच कराते हुए उचित कार्यवाही की मांग की है

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी वासी आए दिन चोरी से हो रहे परेशान

-संवाददाता-

कोरबा, 09 जुलाई 2023

(घटती-घटना)। कोरबा शहर से लगे व सिविल लाइन थाना रामपुर क्षेत्र अंतर्गत हाउसिंग बोर्ड कालोनी, रामपुर में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। कालोनी में आए दिन बाइक की चोरी,तो गाड़ियों से पेट्रोल की चोरी जारी है। कालोनी के लोगो ने पुलिस से शिकायत की तो इसके बाद रात में गश्त भी पुलिस द्वारा बढ़ाई गई लेकिन चोरों के दुस्साहस कमजोर नहीं हो रहे है । पुलिस के साथ कालोनी वासियों ने अब भी रात में तैनात रहकर पहरा देना शुरू कर दिया है उसके बाद भी चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि शनिवार-रविवार की मध्य रात फिर कालोनी से एक बाईक होंडा साइन क्रमांक सीजी 12 Y 4252 की चोरी कर चोर भाग निकले । इन दिनों जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी की वारदातों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिल रही है। जिस पैमाने पर चोरी हो रही है, उनकी धरपकड़ उस अनुपात में कम ही दर्ज हुई है ऐसा लग रहा है मानो बाहर से कोई प्रशिक्षित गिरोह यहां आकर चोरी को अंजाम दे रहा है , हालांकि पुलिस ने इस तरह के मामलों में कुछ सफलता पाई है पर लगातार हो रही चोरियों के मामले में कार्यवाही नाकाफी सिद्ध हो रही है।

पीपीटी प्रवेश परीक्षा का डाइट में सफल आयोजन

-संवाददाता-

कोरबा,09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा पीपीटी की प्रवेश परीक्षा 09 जुलाई 2023 रविवार को पूर्वान्ह 09 बजे से 12.15 बजे तक आयोजित किया गया । परीक्षा के सुचारू संचालन एवं केन्द्र में व्यवस्था बनाए रखने व अनुचित साधनों के रोकथाम तथा निरीक्षण हेतु उड़नदस्ता नियुक्त किए गए थे द्य जिसके अंतर्गत कृषि विस्तार अधिकारी श्री पी.एल.मिरेंद्र, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नोनबिर्रा श्री संजीव खाखा एवं व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाली श्रीमती तुलीका देवांगन को 04 परीक्षा केंद्र 2201 से 2204 के लिए उड़नदस्ता नियुक्त किया गया था जिन्होंने समय समय पर सभी परीक्षा केंद्र में जाकर परीक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। वहीं उक्त परीक्षा के लिए कलेक्टर कार्यालय कोरबा के कक्ष क्रमांक 06 वरिष्ठ लिपिक या परीक्षा शाखा में अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित कर अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी परीक्षा दिवस को प्रातः 9 बजे से परीक्षा समाप्ति तक के लिए लगाई गई थी । इस दौरान जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था कोरबा(डाइट)परीक्षा केंद्र के प्रभारी श्री रामहरि ऑफ जानकारी देते हुए बताया के कुल 245 दर्ज परीक्षार्थियों की सूची में से 110 उपस्थित होकर परीक्षा में शामिल हुए वहीं 135 परीक्षार्थियों की अनुपस्थिति दर्ज की गई द्य उन्होंने बताया के परीक्षा केंद्र में किसी भी परीक्षार्थी को नकल करते एवं अनुचित साधन प्रयोग करते नही पाया गया । परीक्षा के दौरान यहां की परीक्षा में लगे सभी अधिकारी कर्मचारी ने परीक्षा संबंधित व्यवस्था को काफी सहजता एवं सरलता से निर्वहन करते हुए परीक्षार्थियों को कक्षा क्रमांक तक पहुंचाने में मदद की साथ ही पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से परीक्षार्थियों के मन में परीक्षा को लेकर आई दुविधा को दूर करते हुए परीक्षा केंद्र के प्रांगण में आई.डी.कार्ड की जांच करते हुए सभी को प्रवेश दिया गया साथ ही पूरी व्यवस्था की वीडीओ ग्राफी भी परीक्षा नियमानुसार किया गया । वहीं परीक्षार्थियों ने भी परीक्षा व्यवस्था को देख काफी संतुष्ट दिखे ।

हरेली तिहार के दिन 17 जुलाई को होगा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल का शुभारंभ

-संवाददाता-

जशपुर,09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल गतिविधियों को ग्रामीण क्षेत्र एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने, प्रतिभागियों को मंच प्रदान करने, उनमें खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और खेल भावना का विकास करने हेतु राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2023-24 का आयोजन हरेली त्यौहार 17 जुलाई 2023 से किये जाने का निर्णय लिया गया है। जो कुल 6 चरणों में आयोजित होगी जिसके लिए मार्गदर्शिका कार्ययोजना एवं नियमावली, गाईडलाईन जारी कर दिया गया है। जशपुर जिले में भी छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल के प्रथम 04 चरण जिसमें राजीव युवा मितान क्लब 17 जुलाई से 22 जुलाई 2023 तक, जोन स्तर 26 जुलाई से 31 जुलाई, विकासखण्ड नगरीय क्लस्टर स्तर 07 अगस्त से 21 अगस्त 2023 एवं जिला स्तर का अयोजन दिनांक 25 अगस्त से 04 सितंबर 2023 तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में तीन आयु वर्ग 18 वर्ष से कम 18 से 40 वर्ष एवं 40 वर्ष से उपर के महिला एवं पुरूष आयोजन में भाग ले सकते है। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल में पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे विकासखण्ड स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 1000 ,750,500 जिला स्तर में यह पुरस्कार राशि क्रमशः 2000,1500,1000 तथा संभाग एवं राज्य स्तर पर यह राशि 3000,2500,2000 एवं 5000,4500,4000 की पुरस्कार राशि प्रदान किया जाएगा।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक आयोजन में सम्मिलित होने हेतु आधार कार्ड, पासपोर्ट साईज 3-3 नग फोटो एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति अनिवार्य होगी। प्रत्येक पंचायत में गठित राजीव युवा मितान क्लब से संपर्क कर इस प्रतियोगिता के प्रथम चरण राजीव युवा मितान क्लब स्तर में भाग ले सकते है। क्लब स्तर में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी, दल ही जोन ही जोन स्तर में सम्मिलित होंगे तथा जोन स्तर में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी दल ही विकासखण्ड स्तर में भाग ले सकेंगे यह प्रक्रिया राज्य स्तर तक के लिए जारी रहेगा ।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसदेई में हुआ विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-

सूरजपुर, 09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। गोविन्द नारायण जांगडे, जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर के मार्गदर्शन मे लाइवलीहुड कॉलेज सूरजपुर एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसदेई में हुआ विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन। कार्यक्रम में ओम प्रकाश सिंह चौहान, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सूरजुपर एवं आनंद कुमार सिंह, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1 सूरजपुर के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में ओम प्रकाश सिंह चौहान ने कहा ÷जो अपने अधिकारों पे सोता है। वह अपने अधिकारों को खोता है।।÷ आगे उन्होंने मोटर व्हीकल एक्ट के सम्बंध में जानकारी देते हुए कहा यदि आप गाड़ी चलाते है तो, गाड़ी का इंश्योरेंस और ड्राइविंग लाइसेंस होना बहुत जरूरी है बिना ड्राईविंग लाइसेंस गाड़ी चलाना अपराध की श्रेणी में आता है वहीं गाड़ी से कोई दुर्घटना हो गई तो बीमा कंपनी दुर्घटना में आहत हुए व्यक्ति को कोई पैसा नहीं देगा दुर्घटना करने वाले वाहन स्वामी को ही देनी होगी जिसकी राशि लाखो रूपये हो सकती है और अपराधिक मामला भी चलेगा। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से बिना ड्राईविंग लाइसेंस के गाड़ी न चलाने की अपील की। उन्होंने आगे माता - पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और कल्याण अधिनियम 2007, प्रथम सूचना रिपोर्ट, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के अंतर्गत आमजन कैसे निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह प्राप्त कर सकता है और कौन कौन पात्र है की जानकारी विस्तार से दी। वहीं कार्यक्रम में आनंद कुमार सिंह ने सूचना प्रौद्योगिकी अधीनियम 2000 (आई टी एक्ट), के संबंध में जानकारी देते हुए कहा सोशल साइट्स का उपयोग सावधानी पूर्वक करें आज कल अपराधी नई नई तकनीकों का उपयोग कर लोगों को ब्लैकमेल व धोखाधड़ी कर रहे है अपने फोन का उपयोग सावधानी से करें और अच्छी जानकारी के साथ अपनी शिक्षा को बढ़ाने के लिए करें। आगे उन्होंने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, गुड टच बेड टच, जमानतीय व अजमानतीय अपराध, विधिक सेवा प्राधिकरण की सेवाएं व विस्तार तथा मौलिक अधिकार व मौलिक कर्तव्य की जानकारी विस्तार से दी। कार्यक्रम में लाइवलीहुड कॉलेज सूरजपुर व बसदेई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभी शिक्षक और बालक बालिकाएं उपस्थित रहे।

अब केवल एक कॉल में घर बैठे बनवाएं प्रमाण-पत्र एवं दस्तावेज

- मितान योजना में श्रमिक कार्ड सहित 25 सेवाओं की घर बैठे डिलीवरी होगी
- मितान की सेवा के लिये टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल कर करा सकते हैं पंजीयन

-संवाददाता-

जशपुर,09 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री मितान योजना का नगर पालिका जशपुर में शुभारंभ किया है और घर-घर जाकर करेंगे काम आ रहा है अब आपके पास मितान से योजना को सार्थक किया जा रहा है। योजना के शुरू होने से श्रमिक कार्ड सहित 25 सेवाओं की घर बैठे डिलीवरी आमजनों को होगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विगत दिवस 01 जुलाई 2023 को शहरी योजनाओं का विस्तार करते हुए मुख्यमंत्री मितान योजना का सभी नगर पालिकाओं में शुभारंभ किया है। उन्होंने सर्विस डिलीवरी को मजबूत करने, नागरिकों को घर बैठे प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई।

मुख्यमंत्री मितान योजना अंतर्गत श्रमिक कार्ड सेवाओं सहित कुल 25 सेवाओं की घर बैठे डिलीवरी का विस्तार करते हुए मितान के माध्यम से प्रदेश के समस्त नगर पालिका परिषदों में उपलब्ध होगी। इनमें मूल निवासी प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, दस्तावेज के नकल के लिए अनुरोध गैर-डिजिटल भूमि रिकार्ड आदि की प्रति, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड एपीएल (सफेद), नया राशन कार्ड बी.पी.एल. (प्राथमिकता), राशन कार्ड सरेंडर व ट्रान्सफर, राशन कार्ड भर जाने पर, राशन कार्ड में सुधार के लिए, जन्म प्रमाण-पत्र, दुकान और स्थापना पंजीकरण, भूमि सूचना (भूमि उपयोग), जन्म प्रमाण-पत्र सुधार, मृत्यु प्रमाण-पत्र सुधार, विवाह प्रमाण-पत्र सुधार, आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड से सदस्य जोड़ने व हटाने के लिए, राशन कार्ड खो जाने व गुम जाने पर, राशन कार्ड में सुधार के लिए, श्रम पंजीयन एवं श्रम पंजीयन सुधार इत्यादि सेवाएं घर बैठे मितान सेवा से प्राप्त किए जा सकते हैं। इस सेवा से लोगों को श्रम, समय और धन की बचत होगी । साथ ही प्रमाण पत्रों को प्राप्त करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से भी निजात मिलेगी। वास्तव में छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री मितान योजना से नागरिक सुविधाओं का विस्तार हुआ है और मितान की सेवाओं से नागरिकों को घर बैठे ही शासकीय सेवायें की सुविधा प्राप्त होगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री मितान योजना से लाभान्वित होने के लिये आवेदक मितान की सेवा के लिये टोलफ्री नंबर 14545 पर कॉल कर पंजीयन करा सकता है।

CMYK

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहले टी20 में बांग्लादेश को सात विकेट से हराया

स्पिनरों और कप्तान हरमनप्रीत ने दिलाई भारत को बांग्लादेश पर आसान जीत

ढाका (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नये अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरुआत अर्धशतक (नाबाद 54 रन) जड़कर की जिससे भारतीय महिला टीम ने रविवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश पर सात विकेट की आसान जीत दर्ज कर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली। भारतीय स्पिनरों ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट पर 114 रन ही बनाने दिये। इसके बाद हरमनप्रीत (35 गेंद, छह चौके, दो छक्के) और उप कप्तान स्मृति मंधाना (34 गेंद में 38 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़कर लक्ष्य 16.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। हरमनप्रीत ने दो जीवनदान का पूरा फायदा उठाया जो उन्हें बायें हाथ की स्पिनर नाहिदा अख्तर की गेंदबाजी में मिले। मंधाना ने भी अपनी पारी के दौरान पांच चौके लगाये।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद उसके गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से बल्लेबाजों को यह आसान लक्ष्य हासिल करने में जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा हालांकि अपने खराब फुटवर्क के कारण पगबाधा आउट हुई। जेमिमा रोड्रिग्स (11 रन) सुल्ताना खातून की ऑफ ब्रेक गेंद पर बोल्ड हुईं। जिसके बाद हरमनप्रीत और मंधाना ने टीम को आसान जीत की ओर अग्रसर किया। मंधाना के आउट होने के बाद यास्तिका भाटिया क्रीज पर उतरीं जिन्होंने नाबाद 09 रन बनाये। इससे पहले अनुभवी दीप्ति शर्मा (चार ओवर में 14 रन) की अगुआई वाले स्पिन आक्रमण ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की योजना को बहुत अच्छी तरह मैदान पर उतारा। स्पिन विभाग में अनुषा बारेड्डी (चार ओवर में 24 रन) और मीनू मणी (तीन ओवर में 21 रन देकर एक विकेट) ने उनका बखूबी साथ निभाया।

बांग्लादेश की शीर्ष स्कोरर सोर्ना अख्तर (28 गेंद में 28 रन) द्वारा लगाया गया एक छक्का छोड़ दें तो लेग स्पिनर शेफाली वर्मा (तीन ओवर में 18 रन देकर एक विकेट) ने भी अच्छी गेंदबाजी की। बांग्लादेश की बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों की रणनीति से काफी मुश्किल हुई। पदार्पण कर रही मणी ने अपना पहला विकेट शमीमा सुल्ताना (17 रन) के रूप में लिया जो स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में जेमिमा रोड्रिग्स को स्क्वायर लेग पर कैच दे बैठीं। पूजा वस्त्राकर ने फिर शाथी रानी (22 रन) को शार्ट गेंद से आउट किया। अनुभवी निगार सुल्ताना (02) रन आउट हुई, फिर शेफाली ने शोभना मोस्त्री (33 गेंद में 23 रन) का विकेट झटका। बांग्लादेश ने 62 डॉट गेंद खेली जो उनकी आधी पारी से भी अधिक हैं। उनकी पारी में आठ चौके और तीन छक्के लगे। इसमें से दो सोर्ना ने लगाये जिससे टीम 100 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रही।

कनाडा ओपन: सेन फाइनल में, सिंधू सेमीफाइनल में यामागुची से हारीं

कालगैरी (एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन लक्ष्य सेन ने यहां जापान के केंटा निशिमोटो पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। सेन ने जापान के 11वीं रैंकिंग के खिलाड़ी को 21-17 21-14 से हराकर अपने दूसरे सुपर 500 फाइनल में जगह बनाई। यह एक साल में उनका पहला बीडब्ल्यूएफ फाइनल भी होगा। सत्र के शुरु में सेन फॉर्म में नहीं थे जिससे रैंकिंग में 19वें नंबर पर खिसक गए।

2021 विश्व चैम्पियनशिप में इस 21 साल के खिलाड़ी ने कांस्य पदक जीता था। अब रविवार को फाइनल में उनका सामना चीन के लि शि फेंग से होगा जिनके खिलाफ उनका जीत का रिकॉर्ड 4-2 का है। सेन ने कहा, 'काफी खराब शुरुआत हुई, मैं शटल पर अच्छी तरह नियंत्रण नहीं बना पाया। जैसे ही मैं लय में आय तो बेहतर होता गया। 'परफेक्ट नेटप्ले' अहम रहा और हम दोनों ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे थे।' उन्होंने कहा, 'आखिर में मैंने नेट पर नियंत्रण बना लिया और स्मैश भी अच्छे रहे। तकनीकी रूप से काफी अच्छा मैच खेला। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं।'

वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकीं और महिला एकल के सेमीफाइनल में जापान की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से 14-21 15-21 से हार गईं। रैंकिंग में छठे स्थान पर रह चुके सेन ने पिछला फाइनल पिछले साल अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में खेला था। वह यहां सेमीफाइनल के शुरु में 0-4 से पिछड़ रहे थे लेकिन जल्द ही उन्होंने 8-8 से बराबरी हासिल की। ब्रेक तक निशिमोटो 11-10 से बढ़त बनाए थे लेकिन जल्द ही भारतीय खिलाड़ी ने अपने पसंदीदा स्मैश और तेज रिटर्न से वापसी की और अपने प्रतिद्वंद्वी के लांग शॉट से गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम में दोनों ने एक दूसरे को बराबरी की टक्कर दी लेकिन सेन की सतर्कता निशिमोटो पर भारी पड़ी। एक समय 2-2 के समान स्कोर के बाद दोनों 9-9 की बराबरी पर थे। ब्रेक तक सेन ने दो अंक की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद सेन 19-11 से आगे थे और निशिमोटो के फिर से नेट पर शॉट लगाने से भारतीय खिलाड़ी ने मुकाबला जीत लिया। सेन ने कहा, 'स्टेडियम में काफी भारतीय समर्थक थे, वे पहले दिन से ही आ रहे हैं इसलिये यहां खेलना अच्छा है।'

भारतीय टीम एशिया कप के लिए नहीं आती तो पाक भी विश्वकप के लिए नहीं भेजेगा टीम : खेलमंत्री

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के खेल मंत्री अहसान मजारी ने कहा है कि अगर भारतीय टीम एशिया कप खेलने उनके यहां नहीं आती है तो विश्वकप के लिए पाक टीम को भी भारत नहीं भेजा जाएगा। मजारी उस कमेटी में शामिल हैं जिससे ये तय करना है कि विश्वकप के लिए टीम भारत भेजी जाय या नहीं।

ने कहा है कि: वर्ल्ड कप की तारीखों का ऐलान हो चुका है। सारी टीमों ने अपनी तैयारियों को आखिरी रंग देना शुरू कर इससे पहले पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने टीम के भारत जाने का फैसला करने को लेकर एक कमेट बनाई है इसमें मजारी भी शामिल हैं और इसके प्रमुख बिलावल भुट्टो हैं। मजारी के अनुसार अगर भारत एशिया कप के दौरान अपने मुकाबले पाक में न खेलकर तटस्थ मैदान पर रखने की मांग करता है तो हम भी भारत में होने वाले विश्व कप के दौरान किसी तटस्थ स्थल पर खेलने की मांग करेंगे। मजारी ने कहा, पाक क्रिकेट बोर्ड खेल मंत्रालय के अधीन आता है और ये मेरी व्यक्तिगत राय है कि अगर भारत एशिया कप जिए जिस प्रकार की मांग कर रहा है उसी प्रकार की मांग हमें भी रखनी चाहिये। पाकिस्तान भी विश्व कप के दौरान ऐसी ही डिमांग रखेगा। यहां यह बताना जरूरी हो जाता है कि पाकिस्तान सरकार द्वारा गठित इस कमेटी के अध्यक्ष विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी हैं और इसमें 11 मंत्री भी शामिल हैं। समिति अपनी रिपोर्ट प्रधानमंत्री को सौंप देगी और आखिरी फैसला उन्हीं को लेना है।

क्रिस गेल हमेशा टीम को अच्छा समय बिताने और आराम करने के लिए घर बुलाते हैं: विराट कोहली

मुम्बई (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ बहु-प्रारूप श्रृंखला खेलने के लिए कैरेबियाई देश में है। भारत का दौरा दो मैचों की टेस्ट सीरीज से शुरू होगा जो डोमिनिका और त्रिनिदाद में खेला जाएगा। टेस्ट मैचों के बाद भारत तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेगा। सीरीज की शुरुआत से पहले भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा कि वह निश्चित रूप से वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी क्रिस गेल के साथ घूमेंगे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि गेल उनकी उपलब्धता को देखते हुए इस बार भी उन्हें आमंत्रित करेंगे।

कोहली ने कहा, 'ठीक है क्रिस, मैं उसके साथ इतने सालों तक घूमता रहा हूं। मुझे यकीन है कि जब हम जमैका में होंगे, तो हम निश्चित रूप से जाएंगे और क्रिस से मिलेंगे। वह हमेशा टीम को अच्छा समय बिताने और आराम करने के लिए घर पर आमंत्रित करता है।' कोहली ने कहा, 'तो मुझे यकीन है कि अगर वह शहर में है तो वह फिर से वही करेगा। हर कोई उसे प्यार करता है। हम पिछली बार भी उसके घर गए थे, हमने बहुत अच्छा समय बिताया था और वह बहुत विनम्र व्यक्ति है। निश्चित रूप से, अगर वह वह स्वतंत्र है और वह शहर में है, निश्चित रूप से हम उससे मिलेंगे।

जब विराट कोहली से वेस्टइंडीज में खेलने की उनकी पसंदीदा यादों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह एंटीगुआ में विवियन रिचर्ड्स के सामने उनका पहला दोहरा शतक था। कोहली ने कहा, 'मेरी पसंदीदा याद स्पष्ट रूप से एंटीगुआ है। मैंने सर विवियन रिचर्ड्स के सामने एंटीगुआ में टेस्ट क्रिकेट में अपना पहला दोहरा शतक बनाया। मेरे लिए यह एक बहुत ही विशेष क्षण था और फिर वह शाम को भी मुझसे मिले और बधाई दी मैं। इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।'

हेड के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 5,000 रन पूरे हुए

लीड्स। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 5,000 रन पूरे कर लिए हैं। हेड ने हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीसरे एशेज टेस्ट में यह उपलब्धि अपने नाम की। पहली पारी में हेड ने 74 गेंदों में 39 रन रन बनाये और मिशेल मार्श के साथ 155 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला। वहीं दूसरी पारी में हेड ने मुश्किल हालात में 77 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को संभाला। इसी दौरान वह पांच हजार के आंकड़े तक पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 111 मैचों में हेड ने 42.20 की औसत से अब तक 5,065 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 76.55 का रहा है। उन्होंने 132 पारियों में 9 शतक और 30 अर्द्धशतक अबतक लगाये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रन रहा है। टेस्ट में वह सबसे सफल रहे हैं। उन्होंने 40 टेस्ट मैचों में 46.80 की औसत और 64.08 की स्ट्राइक रेट से अबतक 2,808 रन बनाए हैं। उन्होंने 65 पारियों में छह शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रन है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 54 एकदिवसीय मैचों की 51 पारियों में 40.68 की औसत और 96.81 की स्ट्राइक रेट से 1,912 रन बनाए हैं। हेड ने इस प्रारूप में तीन शतक और 14 अर्धशतक लगाये हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 152 रन है। हेड ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 17 टी20 मैच भी खेले हैं जिसमें उन्होंने 26.53 की औसत से 345 रन बनाए हैं। इस प्रारुप में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 48 रन और स्ट्राइक रेट 133.20 है।

इंग्लैंड के कमेंटेटर ने भारत प्रशंसकों की आलोचना की, सुनील गावस्कर ने लगा दी क्लास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने मौजूदा एशेज 2023 के दौरान भारतीय समर्थकों पर अपनी टिप्पणियों के लिए अंग्रेजी कमेंटेटरों की आलोचना की है। विशेष रूप से इंग्लैंड की भीड़ को केवल तभी जयकार करते देखा गया जब घरेलू टीम ने अच्छा खेला। दूसरी ओर कमेंटेटर पहले दो टेस्ट मैचों के दौरान ऑस्ट्रेलिया के जबरदस्त प्रदर्शन के बावजूद खेल जीतने के लिए मेजबान टीम का समर्थन कर रहे थे।

गावस्कर ने कमेंटेटरों की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्थानीय प्रशंसकों के लिए अपनी घरेलू टीम का समर्थन करना सामान्य बात है, लेकिन यह दावा करना कि यह केवल भारत में होता है अनुचित है। गावस्कर ने लिखा, 'यह कोई भारतीय घटना नहीं है, बल्कि हर देश में ऐसा होता है, जहां घरेलू दर्शक तब चुप रहते हैं जब उनके गेंदबाजों के खिलाफ बाउंड्री लगती है या उनके बल्लेबाज आउट हो जाते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मौजूदा एशेज श्रृंखला की तुलना में कहीं भी यह अधिक स्पष्ट नहीं हुआ है। यह कृपालु तरीका क्या है, विदेशी कमेंटेटर, जब वे भारत आते हैं, कहते रहते हैं कि जब कोई भारतीय बल्लेबाज आउट हो जाता है या जब कोई भारतीय गेंदबाज चौका मारता है, तो मैदान पर भारतीय भीड़ कितनी शांत हो जाती है।'

इसके अलावा सुनील गावस्कर ने लॉर्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट में कीपर-बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को आउट करने के तरीके को संभालने के लिए अंग्रेजी मीडिया की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'आम तौर पर क्रिकेट जगत लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट मैच में जॉनी बेयरस्टो की स्टंपिंग के सही और गलत पर चर्चा करने में व्यस्त है, बेन स्टोक्स की अद्भुत पारी का वास्तव में महत्वपूर्ण क्रिकेट पहलू पृष्ठभूमि में चला गया है। यह इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि कितनी छोटी चीजें अक्सर अधिक महत्वपूर्ण घटनाओं पर भारी पड़ जाती हैं।'

गावस्कर ने अंत में कहा, 'यह विदेशी मीडिया द्वारा वर्षों से इस्तेमाल की जाने वाली सामान्य रणनीति रही है, जहां टीम की बड़ी सफलता को छिपाने के लिए एक छोटी सी महत्वहीन घटना को अंजाम दिया जाता है।'

प्रियांश कम्पांउड तीरंदाजी में विश्व अंडर-21 चैम्पियन बने

लिमेरिक (आयरलैंड)। भारतीय तीरंदाज प्रियांश यहां चल रही विश्व तीरंदाजी युवा चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे जिससे देश के पदकों की संख्या 9 हो गई। प्रियांश शनिवार को एकतरफा पुरुष अंडर-21 व्यक्तिगत फाइनल में स्लोवेनिया के अलजाज ब्रेंक को 147-141 से हराकर अंडर-21 विश्व चैम्पियन बने। इससे पहले उभरती हुई तीरंदाज अदिति स्वामी अमेरिका की लिएन ड्रेक को हराकर अंडर-18 महिला विश्व चैम्पियन बनीं। पिछले महीने विश्व कप में अंडर-18 कम्पाउंड महिला क्वालीफाइंग रिकॉर्ड बनाने वाली अदिति ने इसी लय को जारी रखते हुए यहां चल रही युवा विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में लिएन को 142-136 से पराजित किया। विश्व कप में सीनियर पदार्पण करते हुए अदिति ने पिछले महीने कोलंबिया में टीम कांस्य पदक जीता था। अदिति ने पिछले साल शारजाह में एशिया कप के तीसरे चरण में व्यक्तिगत रजत पदक भी अपने नाम किया था। भारत ने अभी तक नौ पदक जीत लिये हैं जिसमें पांच स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

डोप जांच में विफल रहे करणवीर, एशियाई एथलेटिक्स से बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोप जांच में असफल होने के कारण गोला फेंक खिलाड़ी करणवीर सिंह एशियाई एथलेटिक्स से बाहर हो गये हैं। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 12-16 जुलाई के बीच बैंकाक में होगी। पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में प्रशिक्षण लेने वाले करणवीर को इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए 54 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया था पर डोप जाने में पॉजिटिव पाये जाने पर बाहर हो गये।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने भी करणवीर के डोप जांच में विफल होने को सही बताया है। उन्होंने कहा, ''हां, यह सही है। इस डोप जांच में हालांकि सही तारीख और प्रतिबंधित पदार्थ के नाम की जानकारी नहीं दी गयी है। करणवीर ने मई में फेडरेशन कप में 19.05 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता था, जबकि जून में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में 19.78 मीटर के प्रयास के साथ वह एशियाई रिकॉर्ड धारक तजिंदरपाल सिंह तूर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वह मौजूदा सत्र की सूची में एशियाई खिलाड़ियों में छठे स्थान पर हैं। करणवीर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20.10 मीटर है, जो उन्होंने पिछले साल राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप में किया था। कारणवीर के बाहर होने के बाद अब तूर एशियाई चैंपियनशिप में पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा में अकेले भारतीय होंगे। वहीं भारतीय एथलेटिक्स टीम के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने कहा, '' तूर के पास स्वर्ण पदक जीतने का सुनहरा मौका है। तूर ने दोहा में चैंपियनशिप के 2019 सत्र में 20.22 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

भारतीय गोलकीपरों के लिए शिविर आयोजित करेंगे नीदरलैंड के गोलकीपिंग कोच वान डि पोल

नई दिल्ली। नीदरलैंड के गोलकीपिंग कोच डेनिस वान डि पोल चीन के हांगझोउ में सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपरों के लिए बेंगलुरु में दो विशेष शिविर लगायेंगे। भारतीय टीम के साथ वान डि पोल का पहला शिविर 13 से 19 जुलाई तक होगा जबकि वह सात से 14 सितंबर तक एक हफ्ते तक चलने वाले एक अन्य शिविर के लिए फिर भारत आयेंगे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) में मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की देखरेख में एक हफ्ते तक लगने वाले शिविर के दौरान विशेष सत्रों में हिस्सा लेगी। पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक, सूरज करकेरा, प्रशांत कुमार चौहान और पवन मलिक शिविर में हिस्सा लेंगे। वान डि पोल ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में कहा, ''मैं फिर से भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ एक संक्षिप्त शिविर के लिए जुड़ने से उत्साहित हूं। यह टीम शानदार है और इस टीम के साथ काम करना हमेशा ही रोमांच भरा रहा है। हमने पहले भी कुछ शानदार सत्र किये हैं और मैं आगामी शिविर शुरु करने के लिये उत्साहित हूं।' हांगझोउ एशियाई खेलों से पहले भारतीय पुरुष टीम 25 से 30 जुलाई तक चार टीम के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलेगी जो स्पेनिश हॉकी महासंघ के 100वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित होगा। इसमें अन्य तीन टीमें इंग्लैंड, नीदरलैंड और मेजबान स्पेन है। इसके बाद अगस्त में चेन्नई में एशियाई चैम्पियंस ट्राफी खेली जायेगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहाक, ''पुरुष टीम के साथ ट्रेनिंग शिविर के लिए डेनिस वान डि पोल को शामिल करने से हम काफी खुश हैं। यह साल का महत्वपूर्ण समय है और सर्वश्रेष्ठ को रखना टीम के लिये फायदेमंद साबित होगा। मुझे भरोसा है कि यह शिविर टीम के लिए फलदायी होगा।'

कैफ ने पुजारा को वेस्टइंडीज दौरे से बाहर रखने पर नाराजगी जतायी

-रहाणे को उपकप्तान बनाया जाना भी गलत

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी है। कैफ ने कहा कि चयन का तरीका उन्हें समझ नहीं आया। कई खिलाड़ियों ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में रन नहीं बनाये पर केवल पुजारा को ही बाहर रखा गया। कैफ ने इस प्रकार के फैसले पर चिंता जताई है। पुजारा डब्ल्यूटीसी फाइनल की दोनो पारियों में रन नहीं बना पाये थे। इसके बाद वेस्टइंडीज दौरे के लिए चयनित टीम उन्हें जगह नहीं मिली।

कैफ ने कहा कि टीम प्रबंधन को निर्णायक विकल्प चुनने की जरूरत है। कैफ ने टीम द्वारा की गई रणनीतिक गलतियों को लेकर कहा, डब्ल्यूटीसी में केवल पुजारा ही नहीं कई अन्य खिलाड़ियों ने भी रन नहीं बनाये थे पर ऐसा लगता है कि केवल एक खिलाड़ी को ही निशाना बनाया गया है।, ऐसा लगता है कि पुजारा को हमेशा बाहर किया जा रहा है। यह समझना कठिन है कि उन्हें क्यों बाहर रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए 469 रन दिए और दोनों पारियों में 300 रन तक भी नहीं पहुंच पायी।

उन्होंने कहा, अगर पुजारा जैसा कोई व्यक्ति आपकी दीर्घकालिक योजनाओं में नहीं है, तो आपको यह निर्णय लेना होगा। यही बात अनुभवी आजिंक्या रहाणे के लिए भी लागू होती है। एक बार जब आपके पास युवा खिलाड़ी हों, तो रहाणे और पुजारा से आगे बढ़ें। उनके फॉर्म में वापस आने और फिर उन्हें वापस लाने का इंतजार न करें। यहां देखा गया कि रहाणे ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में रन बनाये। इस कारण उन्हें पिछले खराब फार्म के बाद भी टीम में बनाये रखा गया। कैफ ने काउंटी प्रदर्शन के आधार पर पुजारा को वापस बुलाने और वेस्टइंडीज दौरे के लिए रहाणे को उपकप्तान बनाने को भी गलत बताया। कैफ ने कहा कि चयनकर्ताओं को अपने फैसले खिलाड़ियों को स्पष्ट रूप से बताने चाहिसे। साथ ही कहा कि एक बार विकल्प चुनने के बाद आगे बढ़ने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि अनुभवी खिलाड़ी को बिना किसी स्पष्ट नीति के हटाना और वापस बुलाना भविष्य के लिए सही नहीं रहेगा।

ईडी के बाद राज्य आबकारी विभाग का एक्शन

» राज्य आबकारी विभाग की कार्रवाई,दो दर्जन अफसरों को नोटिस

» नकली होलोग्राम बनाने के आरोप में तीन शराब निर्माता भी नामजद

रायपुर,09 जुलाई 2023(ए)। सूबे के तीन बड़े शराब निर्माताओं पर आबकारी विभाग को टारगेट में लिया है। आबकारी महकमा उन पर नकली होलोग्राम बनाकर कारोबार करने के मामले में नोटिस जारी किया है। विभाग के दो दर्जन आबकारी अफसरों को भी नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

सीएम भूपेश बघेल ने शनिवार को मीडिया से चर्चा में डिस्टलर्स को नोटिस देने की पुष्टि की थी। जिन तीन डिस्टलर्स को नोटिस जारी किया गया है उनमें नवीन केडिया (डगलस कैसल), अमोलक सिंह भाटिया (वेलकम डिस्टलरी), और चुन्नू जायसवाल हैं। ये तीनों देशी शराब का निर्माण करते हैं।

बताया गया कि ईडी ने शराब घोटाला केस में तीनों शराब निर्माताओं का जिक्र किया है, और चार्ज शीट में यह कहा गया कि डिस्टलरी में बोतलों पर नकली होलोग्राम लगाकर अवैध रूप से शराब की बिक्री की। करीब 13 हजार पन्नों के चार्ज शीट में सरकारी संरक्षण में अवैध कारोबार का आरोप लगाया गया है। यह कहा गया है कि शराब घोटाले से जुड़े सिंडिकेट द्वारा शराब निर्माताओं को नकली होलोग्राम प्रदान किए गए। शराब निर्माताओं ने भी ईडी को नकली होलोग्राम लगाकर कारोबार करने की बात मानी थी। इस तरह ईडी ने वर्ष-2019 से 2023 के बीच कई तरीकों से कुल मिलाकर 2161 करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया है।

ईडी को दिए बयान के आधार पर आबकारी विभाग ने तीनों शराब निर्माताओं के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। उन्हें नोटिस जारी किया गया। उनसे पूछा गया कि उन्होंने असली होलोग्राम का इस्तेमाल नहीं किया है। अगर उन्होंने नकली होलोग्राम का इस्तेमाल किया है, तो आपसे वसूली क्यों नहीं की जाए। सूत्रों के मुताबिक करीब दो दर्जन से आबकारी अफसरों को नोटिस जारी किया है। ये अफसर वर्ष-2012 से इन तीनों के डिस्टिलरियों के कारोबार की मॉनिटरिंग करते रहे हैं। इनसे भी जवाब मांगा गया। नोटिस के जवाब मिलने के बाद तीन शराब निर्माताओं, और आबकारी अफसरों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बदल गए सैकड़ों छात्रों के रिजल्ट

» 912 फेल छात्र हो गए पास

» मेरिट लिस्ट भी बदलेगी

रायपुर,09जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद रीवैल में सैकड़ों छात्रों की किस्मत बदल गई। दरअसल छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने पुनर्मूल्यांकन व पुर्नगणना के नतीजे घोषित कर दिए। रीवैल में 10वीं व 12वीं के 912 फेल छात्र पास हो गए हैं। यही नहीं इस रीवैल के बाद मेरीट लिस्ट में भी परिवर्तन होने की बात कही जा रही है। जल्द ही बोर्ड नई मैरीट लिस्ट भी जारी कर सकता है।

बता दें सीजी बोर्ड द्वारा अप्रैल महीने में दसवीं व 12वीं के नतीजे घोषित किए थे। परिणाम आने के बाद कई छात्र इससे खुश नहीं दिखे। बोर्ड ने पुनर्मूल्यांकन व पुर्नगणना के आवेदन के लिए छात्रों को समय दिया। इस दौरान 10 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने पुनर्मूल्यांकन व पुर्नगणना के लिए आवेदन किया। दोबारा मूल्यांकन होने के बाद दसवीं में 547 और बाहरवीं में 365 छात्रों के परिणाम बदल गए। बोर्ड की ओर से जारी नतीजे के बाद 912 छात्र फेल से पास हो गए हैं।

रीवैल के बाद अब मेरिट लिस्ट में भी बदलाव हो सकता है। पुरानी सूची में अब कुछ नए नाम जुड़ जाएंगे और लिस्ट को अपडेट किया जाएगा। बोर्ड द्वारा जल्द ही नई मेरिट लिस्ट भी जारी किया जाएगा। यही नहीं रीवैल के बाद सैकड़ों छात्रों के पास होने पर मूल्यांकन में लापरवाही की बात भी सामने आ रही है। 2022 में मूल्यांकन में लापरवाही करने वाले 100 से ज्यादा शिक्षकों को ब्लैकलिस्ट किया गया था। इस बार भी मूल्यांकन में लापरवाही करने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई की बात कही जा रही है।

सीजी हाईकोर्ट के जस्टिस पी सैम कोशी का तेलंगाना ट्रांसफर

» सुप्रीम कोर्ट में दिया था स्थानांतरण का प्रस्ताव

बिलासपुर,09 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के जस्टिस पी सैम कोशी का तेलंगाना हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में छत्तीसगढ़ के बाहर दूसरे राज्य में ट्रांसफर करने का प्रस्ताव रखा था। सुप्रीम कोर्ट ने उनके प्रस्ताव को मान लिया और उनका स्थानांतरण तेलंगाना कर दिया गया। अब वे तेलंगाना हाईकोर्ट के जस्टिस होंगे। जस्टिस कोशी के तबादले के बाद अब छग हाईकोर्ट में 14 जज ही रह जाएंगे।

मिली जानकारी के अनुसार जस्टिस कोशी के आवेदन पर सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने 5 जुलाई 2023 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय स्थानांतरण का प्रस्ताव रखा। न्यायमूर्ति कोशी ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के अलावा किसी अन्य उच्च न्यायालय में स्थानांतरण का अनुरोध किया था। इसके बाद कॉलेजियम ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के बजाय तेलंगाना राज्य के उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की सिफारिश की है। जस्टिस कोशी ने स्वेच्छा से अपना ट्रांसफर करने की मांग की थी।

14 वर्षीय युवक के थे 58 दांत

» डॉक्टर ने ऑपरेशन कर 32 दांत निकाले

रायपुर,09 जुलाई 2023 (ए)। एक 14 वर्षीय युवक के 58 दांत थे, ऑपरेशन के बाद देवेंद्र नगर रायपुर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल के डॉ गौरव खेमका ने मरीज के 32 दांत ऑपरेशन कर बाहर निकाले। कांकेर निवासी नकुल के, केवल ऊपरी जबड़े में ही असामान्य रूप से ऊगे छोटे-बड़े 32 दांतो यानी कुल मिलाकर 58 दांतों को देखकर सभी अचंभित रह गए. मरीज के पिता ने बताया कि एक साल पहले नकुल के ऊपरी जबड़े में सूजन आने लगी थी, दर्द तो ज्यादा नहीं होता था, लेकिन ऊपरी जबड़ा कुछ असामान्य सा लगने लगा था उसके दूध के पैदाइशी दांत अभी तक टूटे नहीं थे, युवा होते बेटे के पक्के दांत अभी तक नहीं आए थे, इसी परेशानी को लेकर हमने बच्चे को लोकल स्तर पर दिखाया जहां एक्स-रे एवं सीटी स्कैन में पता चला कि बच्चे के ऊपरी जबड़े में ट्यूमर है जिसका इलाज वहां उपलब्ध नहीं था, अतः वे देवेंद्र नगर, रायपुर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल के मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ.गौरव खेमका के पास गए। ऑपरेट करने में डॉ. गौरव खेमका और उनकी टीम को 2 घंटे से भी ज्यादा का समय लग गया, इस सर्जरी में बच्चे के उन असामान्य 32 दांतो को निकाल दिया गया तथा बोन ग्राफ्टिंग के बाद बच्चे का चेहरा अब एकदम सामान्य दिखाई दे रहा है, सूजन नहीं रह गई और अगले दो हफ्तों में बच्चा पूरी तरीके से ठीक हो जाएगा।

फाईलःफोटो

अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर,09 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव एवं लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए कांग्रेस और भाजपा पार्टी के नेता जनता को लेभाने की तमाम कोशिशों में जुट गए हैं। इस बीच भाजपा में छत्तीसगढ़ में वापसी के लिए कमर कस ली है। वहीं राष्ट्रीय स्तर के नेता भी छत्तीसगढ़ के वोटर्स को लुभाने की पूरी तैयारी में हैं।

इस बीच खबर आ रही है कि प्रधानमंत्री फिर से छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ सकते हैं। अगस्त के पहले सप्ताह में होने वाले इस दौरे में पीएम नगरनार स्टील प्लांट का लोकार्पण कर सकते हैं। वहीं इस दौरान वो बस्तर में भी एक बड़ी सभा को संबोधित कर सकते हैं।

ऐसी खबरें आ रही हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बीजेपी के नेताओं की हुई चर्चा में जगदलपुर और रायगढ़ के कार्यक्रमों पर सहमति बनी है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 6 या 7 अगस्त को बस्तर पहुंच सकते हैं।

14 जुलाई को फिर अमित शाह का छत्तीसगढ़ आगमन

» चुनावी रणनीतियों पर करेंगे मंथन

रायपुर,09 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने में अब कुछ ही महीने बचे हुए है। चुनाव को लेकर लगातार केंद्रीय मंत्रियों का दौरा जारी है। कल ही पीएम मोदी छत्तीसगढ़ दौरे पर आए हुए थे। इस दौरान वे छत्तीसगढ़ वासियों को कई बड़ी सौगात दिए। साथ ही जन सभा को भी संबोधित किए। इसी बीच खबर आ रही है कि 14 जुलाई को एक बार फिर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस बार वे चुनावी रणनीतियों पर मथंन करेंगे। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नबीन भी शामिल होंगे। बीजेपी नेताओं को मिले टास्क की भी जानकारी ले सकते हैं। इस दौरान विधायकों की सर्वे रिपोर्ट भी तैयार हो सकती है। साथ ही वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी मिल सकती है।

भाठागांव बस स्टैण्ड बना यात्रियों-नागरिकों से लूट का अड्डा

रायपुर,09 जुलाई 2023(ए)। भाठागांव बस स्टैंड अपने निर्माण से लेकर वर्तमान में संचालन के लिए लगातार आलोचना में बना हुआ है। बस स्टैण्ड में नियम-कानूनों को ताक पर रखकर मनमानी चल रही है। यात्रियों को जहां दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़ता है तो वहीं यहां आने वाले नागरिकों को अवैध वसूली, गाली-गलौच और मारपीट तक का सामना करना पड़ रहा है। इसे लेकर नागरिकों में जोरदार आक्रोश पनप रहा है।

अंतरराज्यीय बस टर्निमल बनाने का शुरू से ही विरोध हो रहा है। शहर के अंदर बसाहट क्षेत्र में बस स्टैण्ड बनाने का कोई तुक नहीं समझ आता। यहां बस स्टैण्ड बनाने के लिए कई एकड़ उपजाऊ खेत को पाट दिया गया। हद तो यहां तक हो गई है कि बस स्टैण्ड शुरू होने के बाद से ही यहां असामाजिक तत्वों का पूरा जमघट लगता है। लेकिन इसे रोकने वाला कोई नहीं है। स्थानीय जनप्रतिनिधि से लेकर उच्च स्तर तक बस स्टैण्ड में व्याप्त माहौल की शिकायत हो चुकी है। नागरिक बेहाल हैं और भय के वातावरण में यहां से आना-जाना कर रहे हैं। मगर जनप्रतिनिधियों ने अपनी आंखे मूंद ली हैं, इन्हें न तो आमजनों की तखलीफ दिखाई दे रही है और न ही इनकी पीड़ा। यहां आने वाले नागरिक दुर्व्यवहार, मारपीट का शिकार हो रहे हैं, लेकिन इनकी व्यथा सुनने वाला कोई नहीं है। चौंकाने वाली बात है कि यहां के बस संचालक और पार्किंग में बैठे लोग यात्रियों से मनमाने ढंग से वसूली करते हैं, मगर इन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। प्रश्न उठता है कि आखिर इन्हें किसका संरक्षण है जो कलेक्टर तक का आदेश ये मानने के लिए तैयार नहीं है। बताया जाता है कि यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने की लगातार मिल रही शिकायत के बाद जिलाधीश ने सभी बस संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे किराया सूची चस्पा करें, मगर कलेक्टर के इस आदेश को भी नकार दिया गया है। भाटागांव बस स्टैंड में आवागमन करने वाले यात्रियों की सुविधाओं एवं सुरक्षा के मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर, रायपुर नगर निगम कमिश्नर, रायपुर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने ट्रेवल्स संचालकों की बैठक लेकर सुगम सुरक्षित आवागमन के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं, मगर इनका पालन ही नहीं हो रहा है।

धान खरीदी पर सियासत गर्म

रायपुर,09 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर सियासत जारी है। इस दौरान भाजपा के प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने कांग्रेस सरकार की ओर से प्रधानमंत्री पर लगाए आरोप पर श्वेत पत्र की मांग की है। श्री चौधरी ने कहा कि, सरकार श्वेत पत्र जारी करके बताए कि धान खरीदा तो कहा बेचा? छत्तीसगढ़ में धान की खरीदी केंद्र सरकार के सहयोग से संभव हो रहा। भाजपा ने दावा किया कि पिछले 2 सालों में 80ल धान की खरीदी केंद्र सरकार ने किया। 3 चौथाई पेमेंट केंद्र ने किया। 92 लाख मीट्रिक टन धान से बनने वाला चावल केंद्र के कोटे से लिया गया है। साथ ही भाजपा ने धान खरीदी से संबंधित आंकड़ें जारी किए हैं। ओपी चौधरी ने कहा कि, कृषि मंत्री की भी उम्र के साथ याददाश्त कम हो गई है। 202122 में कुल धान खरीदी लगभग 48 लाख मैट्रिक टन लिया जा रहा था। राज्य सरकार को चुनौती देते हैं कि इस पर रिसर्च कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी नरेंद्र मोदी सरकार के कारण हो पा रही है। ओपी चौधरी ने कृषि मंत्री की ओर से धान के जारी किए आकड़ों को गलत बताते हुए कहा कि, एमएसपी बढ़ती गई। मोदी जी लगातार एमएसपी बढ़ाते जा रहे हैं। पीएम किसान सम्मान निधि से प्रदेश के 18,22,699 किसान वंचित हैं।

हड़ताली कर्मचारियों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार सख्त

आंदोलन करने पर कटेगा वेतन

रायपुर,09 जुलाई 2023(ए)। शुक्रवार को सरकारी कर्मचारियों ने छत्तीसगढ़ सरकार के खिलाफ एक दिवसीय प्रदर्शन किया। जिसके बाद छत्तीसगढ़ सरकार सख्त हो गई है। बता दें कि 7 जुलाई को सरकारी कर्मचारियों ने अपनी पांच सूत्रीय मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। जिस कारण सरकारी काम प्रभावित हुई थी। वहीं प्रदेश सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिया है। हड़ताल पर रहने वाले हजारों नियमित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन कटेगा। उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 10 नए सदस्यों की नियुक्ति

» छत्तीसगढ़ से विष्णुदेव साय और धरमलाल कौशिक बनाए गए कार्यसमिति के सदस्य

रायपुर,09 जुलाई 2023(ए)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा ने राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्यों की नियुक्ति की है। इसमें 10 पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। छत्तीसगढ़ से विधायक धरमलाल कौशिक और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय को राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य बनाए गए हैं। इसके अलावा जिन लोगों को कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है, उनमें सुरेश कश्यप, डा. संजय जायसवाल, अश्विनी शर्मा, बंदी संजय कुमार, सोमावीर राजू, दीपक प्रकाश, किरोड़ी लाल मीणा और डा. सतीश पूनिया भी शामिल हैं।

272 दिनों से विधवा महिलाओं का प्रदर्शन जारी

» अब तक नहीं मिली अनुकंपा नियुक्ति,

» अब मंत्रालय का घेराव करेंगी महिलाएं

रायपुर,09 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रदेशभर की विधवा महिलाएं अनुकंपा नियुक्ति की मांग को लेकर करीब 9 महीने से प्रदर्शन कर रही है, लेकिन अब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हुई है। दिवंगत शिक्षाकर्मियों की विधवाएं बूढ़ातालाब धरना स्थल पर अपनी मांग को मनवाने के लिए नए-नए तरीके से प्रदर्शन कर सरकार का ध्यान अपनी ओर कर रही है। अब इसी कड़ी में अनुकंपा नियुक्ति शिक्षाकर्मी कल्याण संघ ने बड़े स्तर पर आंदोलन करने का निर्णय लिया है। संघ के बैनर तले विधवा महिलाएं 11 जुलाई को मंत्रालय का घेराव करेंगी।

दरअसल, दिवंगत पंचायत शिक्षक की विधवाएं अनुकंपा नियुक्ति की मांग को लेकर 272 दिनों से आंदोलन कर रही है। विधवा महिलाएं 20 अक्टूबर 2022 से एक सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलनरत है। महिलाओं ने सीएम हॉउस का घेराव से लेकर आत्मदाह तक की कोशिश की है, लेकिन बावजूद इसके सरकार ने अभी तक उनकी मांगे पूरी नहीं की है। अब कल्याण संघ 11 जुलाई को 3 बजे मंत्रालय का घेराव करेगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)